राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार,२२ दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३२३ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन का आंतक, पूरे यूरोप से कटा ब्रिटेन, भारत में भी आपात बैठक

नई दिल्ली। ब्रिटेन में कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन पूरी दुनिया के लिए चिंता का सबब बन गया है। कोरोना के इस नए स्ट्रेन के आंतक को देखते हुए पूरे यूरोप ने ब्रिटेन से खुद को अलग-थलग कर लिया है। कई यूरोपीय देशों ने ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन के खतरे को देखते हुए अपनी सीमाओं को बंद करने के साथ ही यातायात को निलंबित कर दिया है। एक दिन में नए स्ट्रेन के 35 हजार से अधिक मामले मिलने के बाद टेंशन में आए यूरोपीय संघ के कई देशों ने ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों पर रोक लगा दी है ताकि इसका प्रकोप उनके देशों में नहीं पहुंचे, जबकि कई अन्य देश ऐसे ही प्रतिबंधों को लेकर विचार कर रहे हैं। फ्रांस, जर्मनी नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रिया और इटली ने ब्रिटेन की यात्रा पर रोक लगाने संबंधी घोषणा कर दी है।

वायरस के इस नए स्ट्रेन ने ब्रेक्जिट समझौतों पर भी अनिश्चितता के बादल गहरा दिए हैं। दरअसल, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के पास व्यापार समझौते के लिए 31 दिसंबर तक का वक्त है। स्कॉटलैंड के पहले मंत्री निकोला स्टर्जन ने मांग की है कि 31 दिसंबर को समाप्त होने वाले ब्रेक्सिट ट्रांजिशन अवधि को बढ़ाया जाए, जबकि इस मांग का अब तक प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने विरोध किया है।

इधर, फ्रांस ने रविवार मध्यरात्रि के बाद से 48 घंटों के लिए ब्रिटेन से सभी तरह की यात्रा पर रोक लगा दी। प्रधानमंत्री कार्यालय की घोषणा में कहा गया कि ब्रिटेन जाने वाले लोग इससे प्रभावित नहीं होंगे। जर्मनी की सरकार ने कहा कि वह ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों को रोक रही है। नीदरलैंड ने कम से कम इस साल के अंत तक ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों पर रोक लगा दी है। उम्मीद की जा रही है कि वायरस के इस प्रकोप को देखते हुए उड़ानों पर रोक की अवधि और बढ़ाई जा सकती है।

वहीं, बेल्जियम ने रविवार मध्यरात्रि से लेकर अगले 24 घंटों के लिए ब्रिटेन की उड़ानों पर रोक लगाने की घोषणा की है। साथ ही ब्रिटेन की रेल सेवाओं की आवाजाही पर भी रोक लगा दी है। उधर, ऑस्ट्रिया और इटली ने कहा है कि वह ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों पर रोक लगाएंगे। हालांकि, उन्होंने प्रतिबंध के समय से संबंधित कोई भी जानकारी साझा नहीं की।

▶▶ एक दिन में नए स्ट्रेन के 35 हजार से अधिक मामले मिलने के बाद टेंशन में आए यूरोपीय संघ के कई देशों ने ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों पर रोक लगा दी है ताकि इसका प्रकोप उनके देशों में नहीं पहुंचे, जबकि कई अन्य देश ऐसे ही प्रतिबंधों को लेकर विचार कर रहे हैं। फ्रांस, जर्मनी नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रिया और इटली ने ब्रिटेन की यात्रा पर रोक लगाने संबंधी घोषणा कर दी है।

वहीं, चेक गणराज्य ने ब्रिटेन से आने वाले लोगों के लिए पृथक-वास के नियम को लागू कर दिया है। बेल्जियम के प्रधानमंत्री अलेक्जेंडर डी क्रू ने रविवार को कहा कि वह 'बतौर सावधानी' मध्यरात्रि से अगले 24 घंटों के लिए ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों पर रोक लगा रहे हैं। यूरोपीय संघ के सदस्य तीनों देशों की सरकारों ने कहा कि वे ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन द्वारा लंदन और आसपास के इलाकों के लिए शनिवार को उठाए गए सख्त कदम के मद्देनजर यह फैसला कर रही हैं।

इससे पहले बोरिस जॉनसन ने श्रेणी-4 के सख्त प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से लागू करते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि कोरोना वायरस का एक नया स्ट्रेन सामने आया है, जो पूर्व के वायरस के मुकाबले 70 प्रतिशत अधिक तेजी से फैलता है और लंदन व दक्षिण इंग्लैंड में तेजी से संक्रमण फैला सकता है। हालांकि, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जो साबित करे कि वायरस का नया प्रकार अधिक घातक है और इसपर टीका कम प्रभावी होगा।

भारत में भी आपात बैठक

ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नए प्रकार (स्ट्रेन) की पहचान होने के बीच इस पर चर्चा के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को संयुक्त निगरानी समूह (जेएमजी) की आपात बैठक बुलाई है। माना जा रहा है कि कोरोना वायरस का नया प्रकार ब्रिटेन में संक्रमण को तेजी से फैलाने के लिए जिम्मेदार है। ब्रिटेन ने रविवार से सख्त लॉकडाउन लागू कर दिया है। सूत्रों की मानें तो ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नए प्रकार के चलते इस पर चर्चा के लिए स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) की अध्यक्षता में सोमवार को संयुक्त निगरानी समूह की बैठक होगी। भारत में विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रतिनिधि डॉ रॉडरिको एच ऑफिन भी बैठक में शामिल हो सकते हैं जोकि जेएमजी के सदस्य हैं।

कंगना रनोट-जावेद अख्तर मानहानि मामले में कोर्ट ने पुलिस को दिया जांच के निर्देश

नई दिल्ली। मुंबई कोर्ट ने जूहू पुलिस स्टेशन को जावेद अख्तर मानहानि मामले में जांच करने के आदेश दिए हैंद्य जावेद अख्तर ने कंगना रनोट के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया हैद्य कोर्ट ने 16 जनवरी को रिपोर्ट जमा करने के लिए कहा है, तब तक के लिए अगली सुनवाई टाल दी गई हैद्य पिछले महीने जावेद अख्तर ने कहा था कि उन्होंने कंगना रनोट के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दर्ज किया है। कंगना ने जावेद पर यह आरोप लगाती है उन्होंने कंगना को अपने घर पर बुलाकर धमकी दी है कि वह ऋतिक रोशन के साथ अपने रिश्ते को सार्वजनिक न करेंद्य कंगना रनोट लगातार आरोप लगा रही थी, इसलिए जावेद अख्तर ने यह कदम उठायाद्य हैद्य उनका कहना है कि उन्होंने इस प्रकार की कभी कोई धमकी नहीं दी हैद्य अब हालिया खबरों के अनुसार मुंबई पुलिस को कोर्ट ने निर्देश दिए हैं कि वह मामले की जांच करें। कोर्ट ने पुलिस को यह भी निर्देश दिए हैं कि वह मामले से जुड़े लोगों की जांच करेंद्य केस दायर करने के 1 महीने बाद जावेद अख्तर ने अपने वकील के माध्यम से बयान दर्ज कराया थाद्य कंगना रनोट लगातार खबरों में बनी हुई है और वह अपनी बातों के लिए भी सोशल मीडिया पर भी लगातार ट्रोल होते रहती हैंद्य इन दिनों वह किसान आंदोलन को लेकर दिलजीत दोसांज और प्रियंका चोपड़ा पर लगातार निशाना साध रही हैं। इससे पहले जावेद अख्तर द्वारा उनके खिलाफ किए गए मानहानि के मुकदमे पर प्रतिक्रिया देते हुए कंगना ने शिवसेना नेता संजय राउत के ट्वीट को री-ट्वीट किया था और कहा था, 'एक थी शेरनी ... और भेड़ियों का झुंड।' इससे पहले जावेद अख्तर द्वारा उनके खिलाफ किए गए मानहानि के मुकदमे पर प्रतिक्रिया देते हुए कंगना ने शिवसेना नेता संजय राउत के ट्वीट को री-ट्वीट किया था और कहा था, 'एक थी शेरनी ... और भेड़ियों का झुंड।' संजय राउत के ट्वीट में लिखा था,

बिहार में नए निकायों के गठन की प्रक्रिया शुरू

70 से अधिक नई नगर पंचायतें बनाने की तैयारी

पटना। बिहार में नए निकायों के गठन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। राजधानी पटना सहित करीब 25 से अधिक जिलों ने प्रस्ताव नगर विकास विभाग को भेजे हैं। इनमें नए नगर पंचायत गठन, क्षेत्र विस्तार और नगर पंचायतों को उच्चीकृत कर नगर परिषद बनाए जाने के प्रस्ताव शामिल हैं। प्रस्तावों की जांच-परख कर इन्हें जल्द ही कैबिनेट भेजने की तैयारी की जा रही है। राज्य में 70 से अधिक नई नगर पंचायतें बनाने की तैयारी है। जबकि 20 से अधिक निकायों को अपग्रेड या क्षेत्र विस्तारित किया जाएगा। नए निकायों के गठन प्रस्तावों को अंतिम रूप देने के लिए नगर विकास एवं आवास विभाग शनिवार-रविवार के अवकाश में भी खोला गया। बल्कि रविवार को रातभर विभाग में प्रस्ताव आते रहे और यहां अफसर-कर्मी काम करते रहे। गौर हो कि राज्य में लंबे समय से नए निकाय नहीं बने हैं। ऐसा शहरीकरण के मानकों के चलते नहीं हो पा रहा था। सरकार ने नए निकायों के गठन का रास्ता इसी साल छह मई को साफ कर दिया था। राज्य कैबिनेट ने शहरीकरण के मानकों में बदलाव को मंजूरी दे दी थी। अब निकायों के गठन और उच्चीकृत किए जाने के प्रस्ताव को अंतिम रूप दिया जा रहा है। नगर विकास एवं आवास विभाग ने सभी जिलों से जो प्रस्ताव मांगे थे, उसमें खासतौर से ऐसे अनुमंडल मुख्यालय शामिल हैं, जो अभी तक किसी ग्राम पंचायत का ही हिस्सा हैं। नए निकाय गठन में वर्ष 2011 की जनगणना को आधार बनाया गया है। सभी जिलों से आए प्रस्तावों की जांच की जा रही है। कई प्रस्ताव अधूरे थे। उनमें गूगल मैप या अन्य जरूरी कागजात नहीं लगाए गए थे। ऐसे निकायों को फिर अवसर दिया गया है।

यह होगा लाभ-नए शहरी निकाय बनने से पानी, बिजली, सड़क, स्ट्रीटलाइट की व्यवस्था बेहतर हो जाती है। वित्त आयोग से शहरी निकायों को गांव की अपेक्षा ज्यादा अंशदान मिलेगा। राज्यांश और केंद्रांश की भी हिस्सेदारी मिलेगी।

कोरोना से देश को मिल रही तेजी से राहत

नई दिल्ली। देश में कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख्या एक करोड़ 53 लाख 832 हो गई है, लेकिन राहत की बात यह है कि बीमारी को मात देने वालों की संख्या भी 96.02 लाख से अधिक पहुंच गई है और एक्टिव मामले घटकर 3.02 लाख रह गए हैं। विभिन्न राज्यों से रविवार देर रात तक प्राप्त रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटे में 22,173 नए मामले सामने आये जिससे संक्रमण का कुल आंकड़ा 1,00,53,832 हो गया। इस दौरान 22,810 मरीजों के स्वस्थ होने से कोरोनामुक्त होने वालों की संख्या 96,02,491 और रिकवरी दर बढ़कर 95.48 फीसदी हो गई है। देश में सक्रिय मामले करीब 3,02,865 पर आ गये हैं और इसकी दर घटकर 3.09 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 291 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 1,45,804 हो गया है और मृत्यु दर अभी 1.45 फीसदी है। देश में कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में कोरोना के सक्रिय मामलों में रविवार को 1,648 की और वृद्धि होने के बाद सक्रिय मामलों की संख्या बढ़ कर फिर से 62,743 पहुंच गयी। राज्य में पिछले 24 घंटों के दौरान संक्रमण के 3,811 नये मामले सामने आने से संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 18,96,518 पहुंच गई है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इसी अवधि में 2,064 और मरीजों के स्वस्थ होने से इस संक्रमण से निजात पाने वालों की संख्या 17,83,905 हो गई है और 98 और मरीजों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 48,746 तक पहुंच गया। राज्य में मरीजों के स्वस्थ होने की दर आंशिक घट कर 94.06 फीसदी पहुंच गई जबकि मृत्यु दर महज 2.57 प्रतिशत है। आंध्र प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान नये मामलों की तुलना में स्वस्थ लोगों की संख्या अधिक होने से सक्रिय मामलों की संख्या घटकर 4,202 रह गई। राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के 438 नये मामले सामने आये जिससे संक्रमितों की संख्या बढ़कर 8,78,723 तक पहुंच गई और कोरोना से 589 और मरीजों के ठीक होने के बाद इस वायरस से मुक्त होने वालों कुल संख्या 8,67,445 हो गई है। राज्य में कोरोना के संक्रमण से दो और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 7,076 हो गई है। केरल में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) संक्रमण के सर्वाधिक 5,711 नये मामले सामने आये जबकि इस महामारी से 4,471 और लोग स्वस्थ हुए है। संक्रमितों के मुकाबले स्वस्थ होने वालों की संख्या में कमी आने से सक्रिय मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है जो चिंता की बात बनी हुई है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि राज्य में 5,711 नए मामले सामने आने से रविवार को संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 705870पहुंच गयी और 4,471 लोगों के स्वस्थ होने से इस वायरस से निजात पाने वालों की कुल संख्या 6,41,285 हो गयी।

सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवा वितरण में लापरवाही पर बिहार में डॉक्टरों और कर्मचारियों पर गिरी गाज

पटना। बिहार के सरकारी अस्पतालाओं में मुफ्त दवा वितरण कार्यक्रम में लापरवाही उजागर हुई है। इसके लिए जिम्मेवार डॉक्टरों और कर्मियों का वेतन रोक दिया गया है। साथ ही उनसे जवाब तलब करने का निर्देश भी जिलों के सिविल सर्जन को दिया गया है। राज्य स्वास्थ्य समिति ने इस मामले में लापरवाही बरतने वाले 21 जिलों के साथ ही अनुमंडल स्तर के औषधि भंडार प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, भंडारपाल, फार्मासिस्टों के साथ ही जिला मूल्यांकन व अनुश्रवण अधिकारियों का वेतन-मानदेय रोक दिया है। साथ ही संतोषजनक जवाब नहीं देने पर उनपर विभागीय कार्रवाई का निर्देश दिया है। राज्य के सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवा वितरण का कार्यक्रम चल रहा है। निशुल्क दी जा रही दवाओं का वितरण सही प्रकार से हो रहा है या नहीं, भंडार में दवा है या नहीं, इसकी मॉनिटरिंग ई-औषधि ड्रग एंड वैक्सीन डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट सिस्टम से होती है। लेकिन 21 जिले ऐसे हैं जिन्होंने दवा वितरण का पूर्ण ब्योरा अपलोड नहीं किया है। इससे माना जा रहा है कि उन्होंने दवा वितरित की ही नहीं। राज्य स्वास्थ्य समिति ने छह सूचकांक निर्धारित कर इस व्यवस्था की समीक्षा की। समीक्षा में भोजपुर, पश्चिम चंपारण,समस्तीपुर,औरंगाबाद, नवादा, अररिया, जमुई, बेगूसराय, वैशाली, कैमूर, भागलपुर, शिवहर, मधुबनी, लखीसराय, सुपौल, शेखपुरा, पटना, गया, नालंदा, पूर्णिया और कटिहार का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। भोजपुर, अररिया, प. चंपारण, नवादा और जमुई का प्रदर्शन काफी खराब है। दवा वितरण कार्यक्रम के मूल्यांकन और मॉनिटरिंग में टाल-मटोल की नीति अपनाई जा रही थी।

कोरोना वैक्सीन 'रामबाण' नहीं, टीका आपको तो बचाएगा, लेकिन आपके अपनों की सुरक्षा की गारंटी नहीं

नई दिल्ली। कोरोना वायरस का टीका आपको तो संक्रमण से बचाता है मगर लापरवाही बरतने पर आप दूसरों तक संक्रमण फैलाने के वाहक बन सकते हैं। जॉर्ज वॉशिंगटन विश्वविद्यालय की महामारी विशेषज्ञ प्रो. लीना वेन ने यह दावा किया है। उनका कहना है कि लोगों को यह बात समझनी होगी कि कोरोना का टीका उन्हें तो बचाएगा पर यह आपके अपनों की सुरक्षा की गारंटी नहीं है। अगर लोग टीका लगवाने के बाद बचाव के तरीकों का पालन नहीं करेंगे तो वे अपनों के लिए खतरा बन जाएंगे। लीना ने बताया कि फाइजर के टीके के बारे में अभी तक हम यही जानते हैं कि यह कोरोना संक्रमण के लक्षणों को पैदा होने से बचाने में असरदार है। इसके साथ ही टीका लगवाने से मरीज गंभीर रूप से बीमार नहीं होता यानी उसे अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

उन्होंने कहा कि अभी हम इस बारे में नहीं जानते कि क्या यह टीका हमारे शरीर में बिना लक्षण वाला कोरोना संक्रमण पैदा कर सकता है? इस बारे में अभी तक अध्ययन नहीं हुआ है। पर इस बात की संभावना है कि वैक्सीन लगवाने वाला व्यक्ति एसिम्प्टोमैटिक कोरोना संक्रमण का वाहक हो सकता है। उस व्यक्ति के नासिका मार्ग में वायरस हो सकता है, जो उसके बोलने, सांस लेने, छींकने पर दूसरे लोगों तक पहुंच सकता है। इसलिए जरूरी है कि टीका लगवाने के बाद भी सभी मास्क पहनें और शारीरिक दूरी का पालन करें।

हर्ड इम्युनिटी पैदा होने तक सतर्कता जरूरी-लीना ने अमेरिका के संदर्भ में कहा कि यहां संक्रमण के खिलाफ झुंड की प्रतिरक्षा या हर्ड इम्युनिटी पैदा होने के लिए जरूरी है कि 70 फीसदी अमेरिकियों को टीका दिया जाए। अभी यहां सीमित मात्रा में ही टीका उपलब्ध है, ऐसे में अगले साल गर्मी तक ही इस लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। इसलिए जरूरी है कि जो लोग टीका पा रहे हैं, वे बचाव के तरीकों का पालन दूसरों की तरह करें।

टीका सुरक्षा की शत-प्रतिशत गारंटी नहीं-लीना ने कहा कि हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि टीका प्रभावी तो है पर यह शत प्रतिशत प्रभावी नहीं साबित हुआ है। यानी इस बात की संभावना है कि टीका लगवाने वाला भी संक्रमण फैला सके या संक्रमित हो जाए।

संक्रमण से बचाव पर रहा ज्यादा जोर-फाइजर के टीका निर्माण की प्रक्रिया की स्वतंत्र जांच पड़ताल करने वाले गैर लाभकारी संगठन एलर्जी एंड अस्थमा नेटवर्क की डॉ. पूर्वी पारिख का कहना है कि इन टीकों के निर्माण में संक्रमण के फैलाव से ज्यादा इसके बचाव पर जोर दिया गया

पहाड़ों में बर्फबारी से उत्तर भारत में शीतलहर

नई दिल्ली। दिल्ली, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। उत्तर भारत में सर्दी का प्रकोप इस कदर है कि लोगों का जीना मुहाल हो गया है। उत्तर भारत में बीते कई दिनों से सर्दी का प्रकोप जारी है और दिल्ली की ठंड ने तो रविवार को रिकॉर्ड ही तोड़ दिया। दिल्ली में इस मौसम का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी में मौसम की सबसे सर्द सुबह रही और तापमान 3.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इसके अलावा, जम्मू कश्मीर तथा हिमाचल प्रदेश में अधिकतर स्थानों पर तापमान शून्य से नीचे चला गया। उत्तर प्रदेश में शीतलहर की चेतावनी दी गई है और घना कोहरा भी छाया रहेगा। वहीं दिल्ली में बर्फीली हवाओं का कहर जारी रहेगा।

-हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश और जम्मू एवं कश्मीर सहित उत्तर भारत रविवार को भी कड़ाके की सर्दी से जूझता रहा। राजस्थान के माउंट आबू में रविवार रात न्यूनतम तापमान -1.5 डिग्री पहुंच गया। हिमाचल प्रदेश में केलांग सबसे सर्द बना रहा, जहां न्यूनतम तापमान -11 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि कश्मीर में 40 दिन का 'चिल्लई कलां' सोमवार से शुरू हो रहा है, जिस दौरान जबर्दस्त सर्दी पड़ती है।

-लंदन से भी ठंडा कानपुर

यूपी के कानपुर शहर की रात लंदन, नैनीताल, दार्जिलिंग और देहरादून से भी ज्यादा ठंडी है। यहां रविवार को न्यूनतम तापमान लगातार गिरते हुए 4.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। जबकि बर्फबारी वाले शहरों में गिने जाने वाले शहरों का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस से अधिक चल रहा है। कानुपर में रविवार को अधिकतम तापमान 20.6 तो न्यूनतम 4.2 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं शनिवार को अधिकतम तापमान 21.2 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 5.6 था। पिछले 72 घंटे में न्यूनतम तापमान में 4 डिग्री की कमी आई है। लंदन में पारा 6 डिग्री दर्ज किया गया।

दिल्ली में इस मौसम का सबसे कम तापमान

मौसम विभाग के मुताबिक, सफदरजंग वेधशाला में रविवार को तापमान सामान्य से पांच डिग्री सेल्सियस नीचे 3.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लोधी रोड में तापमान 3.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आईएमडी की ओर से बताया गया कि बर्फ से ढके पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र से चलने वाली बर्फीली हवाओं के कारण शहर में ठंड का प्रकोप बरकरार है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले पांच से छह दिन तक न्यूनतम तापमान करीब पांच डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

कश्मीर में रविवार को हुआ सुधार

कश्मीर में विभिन्न स्थानों पर न्यूनतम तापमान में रविवार को थोड़ा सुधार हुआ लेकिन घाटी में रात में पारा शून्य से नीचे बना हुआ है। वहीं 40 दिन का चिल्लई कलां का दौर सोमवार से शुरू होने जा रहा है जिस दौरान जबर्दस्त सर्दी पड़ती है। मौसम विज्ञान केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि आसमान में बादल छाए रहने की वजह से कल रात समूची कश्मीर घाटी में तापमान में मामूली बढ़ोतरी हुई लेकिन न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है। उन्होंने कहा कि सर्दी की वजह से घाटी के कई इलाकों में पानी की लाइनें और जलाशयों में पानी जम गया। मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा है कि इस महीने के अंत तक केंद्र शासित प्रदेश में भारी बर्फबारी का अनुमान नहीं है, जबकि कश्मीर के कुछ स्थानों पर सोमवार को हल्की बर्फबारी हो सकती है।

हिमाचल प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फीली हवाएं चल रही हैं और कई स्थानों पर तापमान शून्य से नीचे चला गया है। शिमला मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक मनमोहन सिंह ने बताया कि लाहौल-स्पीति का प्रशासनिक केंद्र केलांग राज्य में सबसे ठंडा स्थान बना हुआ है जहां तापमान शून्य से 11 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया। केलांग, काल्पा, मनाली और मंडी में पिछले 24 घंटे में तापमान शून्य से नीचे रहा। यहां आने वाले दिनों में ठंड में और बढ़ोतरी हो सकती है।

पंजाब और हरियाणा में जारी है ठंड का प्रकोप-पंजाब और हरियाणा में पिछले कुछ दिन से सर्द हवाओं का प्रकोप जारी है और मौसम विभाग के अनुसार आदमपुर में सबसे कम तापमान दर्ज किया गया जो शून्य डिग्री सेल्सियस के स्तर पर रहा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

आवाज या पुकार

आवाज की दुनिया गुलजार है। कहीं दूर तक हमारी आवाज जाती है, तो कहीं दूर से आवाजें आती भी हैं। कुछ आवाजों को सामान्य रूप से हम सुन लेते हैं, लेकिन कुछ आवाजें ऐसी होती हैं, जो महसूस भी नहीं होतीं। संसार के सामान्य कोलाहल में शामिल रहती हैं। यह किसी खुशखबरी से कम नहीं कि पहली बार वैज्ञानिकों की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने हमारे सौर मंडल से परे एक ग्रह से पहला सक्षम रेडियो संकेत एकत्र किया है। अनुमान है, यह आवाज करीब 51 प्रकाश वर्ष दूर से आ रही है। नीदरलैंड में एक रेडियो टेलीस्कोप का उपयोग करते हुए यह पता लगाया गया है। जिस ग्रह से आवाज आ रही है, वह शायद अपने सौर मंडल के सूर्य के करीब है। अमेरिका में कॉरनेल विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के नेतृत्व में एक टीम अन्य ग्रहों से आने वाली आवाजों के अनुसंधान में लगी है। एस्ट्रोनॉमी ऐंड एस्ट्रॉफिजिक्स जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में यह बताया गया है कि ताओ बूटस ही ऐसा सिस्टम है, जहां से काफी ज्यादा रेडियो संकेत मिले हैं। कॉरनेल के शोधकर्ताओं में शामिल जेक डी टर्नर का उत्साह स्वाभाविक है कि रेडियो संकेतों के माध्यम से पहली बार ऐसी खोज संभव हुई है। कोई साफ तौर पर नहीं जानता कि कितने सौर मंडल हैं। खोज लगातार जारी है। हम अभी अपने ही सौर मंडल को पूरी तरह से खंगाल नहीं पाए हैं और हमारी धरती का विज्ञान अभी सीमित दूरी तक ही पहुंच सका है। किसी दूसरे सौर मंडल के एक ग्रह से आ रही आवाज का पीछा करना न केवल जारी रहना चाहिए, बल्कि तेज भी होना चाहिए। संभव है, इन आवाजों की पड़ताल से उसकी प्रवृत्ति या प्रकार के बारे में ज्यादा कुछ मालूम पड़े। संभावना तो बहुत जताई जा रही है कि ये रेडियो संकेत एलियंस की किसी दुनिया से जुड़े राज खोल सकते हैं, लेकिन यह अभी कयास भर है। हमारी दुनिया के वैज्ञानिक एलियंस को खोज तो रहे हैं, लेकिन एलियंस का कोई ठोस प्रमाण सामने नहीं आया है। हम केवल संकेत पकड़ पा रहे हैं, हमें इस क्षेत्र में लंबी यात्रा करनी है। बहरहाल, जिस ग्रह से आवाज आ रही है, वहां की मैग्नेटिक फील्ड की समीक्षा से वैज्ञानिकों को उस ग्रह के आंतरिक और बाहरी परिवेश के बारे में पता चल सकता है। मैग्नेटिक फील्ड की खासियत है कि यह किसी सतह को खतरनाक सौर हवाओं से बचाता है। अगर किसी सतह पर ऐसी सौर हवाओं को रोकने का प्राकृतिक तंत्र हो, तो वहां जीवन मुमकिन है। शायद इसी आधार पर यह अनुमान लगाया जा रहा है कि उस ग्रह पर जीवन अर्थात एलियंस हो सकते हैं। क्या उस ग्रह पर पृथ्वी जैसा परिवेश होगा? विज्ञान हमेशा एक उम्मीद या जरूरत का पीछा करता है। नए ग्रह या एलियंस की खोज बदलते समय के साथ हमारी उम्मीद भी है और जरूरत भी। इन विषयों के प्रति मानव समाज में जिज्ञासा बढ़ती ही चली जा रही है। हमें शोधकर्ताओं और उनकी सरकारों का उत्साह जरूर बढ़ाना चाहिए, ताकि खोज में तेजी आए। ऐसा लगता है, किसी दूसरी दुनिया से आ रही आवाजें हमें पुकार रही हैं। हमें उन आवाजों के करीब पहुंचने के संसाधन जुटाने होंगे। हमें अपनी धरती पर अनावश्यक खर्च अर्थात विध्वंस-हिंसा-युद्ध पर होने वाले खर्च से बचना होगा, ताकि हम अपने तन-मन-धन का ज्यादा से ज्यादा उपयोग जरूरी अनुसंधान में लगा सकें।

बेहद लचर प्रदर्शन

टीम इंड़िया के कप्तान विराट कोहली को नित नये रिकॉर्ड़ बनाने के लिए जाना जाता है। पर वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एड़िलेड़ टेस्ट में ऐसे रिकॉर्ड़ के साथ जुड़ गए हैं, जिसे वह याद नहीं रखना चाहेंगे पर यह रिकॉर्ड़ उन्हें हमेशा कचोटता रहेगा। भारत का विदेशी भूमि पर यह पहला दिन-रात का टेस्ट था, जिसकी दूसरी पारी में पूरी टीम शर्मनाक प्रदर्शन करके अपने टेस्ट इतिहास के न्यूनतम स्कोर 36 रनों पर सिमट गई, जिससे उसे आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। चिंता की एक बात यह भी है कि हमारी टीम की विदेशी भूमि पर यह लगातार तीसरी हार है और इससे कई बार लगता है कि हम में विदेशी गेंदबाजों की उनके घर में सामना करने की क्षमता नहीं है। भारतीय टीम के इस शर्मनाक प्रदर्शन की कई वजहें हैं पर इतना तय है कि विराट कोहली की अगुआई में टीम इंड़िया ने जो विजेता की छवि बनाई थी, उसकी हवा जरूर निकल गई है। इसमें कोई दो राय नहीं कि भारत के इस शर्मनाक रिकॉर्ड़ में ऑस्ट्रेलियाई पेस गेंदबाज पैट कमिंस और हेजलवुड़ की बेहतरीन गेंदबाजी ने अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा इस खराब प्रदर्शन की और भी वजह हैं, इनमें क्रिकेट के इस प्रारूप से भारतीय खिलाड़ियों का लंबे समय से दूर रहना भी माना जा सकता है। भारतीय टीम के ज्यादातर खिलाड़ियों को आईपीएल में खेलने का मौका मिला पर पुजारा तो लंबे समय से प्रतियोगात्मक क्रिकेट खेले ही नहीं थे और इस खिलाड़ी की ही विकेट पर लंगर ड़ालकर खेलने की जिम्मेदारी है। पर वह लय में दिखे ही नहीं। भारतीय टीम की ओपनिंग भी प्रमुख समस्या साबित हुई है। मयंक अग्रवाल और पृथ्वी शॉ दोनों ही असफल साबित हुए हैं। पृथ्वी तो रंगत में नहीं हैं ही, साथ ही उनका ड़िफेंस बेहद कमजोर है इस कारण उन्हें इन खामियों को सुधारने की जरूरत है। वैसे टीम के पास पारी की शुरुआत करने के लिए केएल रहुल और शुभमन गिल हैं। अगले टेस्ट में टीम को विराट कोहली की जगह भी भरनी होगी। टीम में पंत को लाकर बल्लेबाजी को मजबूती दी जा सकती है। हां, इतना जरूर है कि तीसरे टेस्ट तक रोहित शर्मा की सेवाएं मिल जाने पर स्थिति संभल सकती है। पर भारत को पहले इस शर्मनाक प्रदर्शन करने से बने दवाब से निकलना होगा। इसके बाद ही वह वापसी करने की स्थिति में होगा।

परिधि/राजीव मंडल

बिसात पर सौहाई

जनीति हमेशा मुद्दों पर लड़ी जाती है। इसमें कहीं से भी 'बदला लेने' की भावना का कोई स्थान नहीं होता है। लोकतंत्र को मजबूत और स्वस्थ रखने में शिष्ट और शालीन तरीका ज्यादा कारगर और न्यायोचित होता है। मगर जब आप भद्र जनों के राज्य पश्चिम बंगाल की तरफ नजर ड़ालेंगे तो वहां सियासी रण-में जरूरी अवयव मसलन शिष्टाग सहजता, समझदारी और संवेदना अंश मात्र भी नहीं दिखेगी। यहां 'सत्ता पाने' और 'बचाने' के लिए भाजपा और तृणमूल कांग्रेस किसी भी हद तक जाने को तैयार दिखती है। यानी यहां सौहार्द और भाईचारे की कड़ी परीक्षा होनी है। देखना है लोकतंत्र की खूबसूरती बरकरार रखने में कौन दल बड़ा दिल दिखाता है?

जिस तरह से भाजपा किसी भी कीमत पर पश्चिम बंगाल को 'शोनार बांगला' बनाने के लिए हथकंड़े अपना रही हैग उसकी कीमत उसे आगे चलकर जरूर चुकानी पड़ेगी। सिर्फ उसे ही नहीं बल्कि देश में राजनीति का तौर-तरीका भी काफी हद तक बदल जाएगा। अतीत का रुख करें तो कांग्रेस ने जिस तरह से संस्थाओं को अपने तरीके से चलाया, उसका कांग्रेसीकरण किया, संवैधाधिक अधिकारों और नैतिकता के तकाजों को उसने जिस निर्ममता से पंगु बनाया; ठीक वैसा ही आचरण अब भाजपा करने लगी है। वह भी अपने विरोधियों को दुश्मन से कम नहीं समझती है और उससे निपटने के लिए वही सब धतकर्म करने को अपना 'चरित्र' समझने लगी है, जिसकी एक समय वह घोर निंदा करती थी। राजनीति को रणनीति और सूझ-बूझ से करना अब गुजरे वक्त की बात हो गई है। अब तो दिल्ली में सत्तासीन पार्टी और उसके नेता सीबीआई, ईड़ी, इनकम टैक्स विभाग आदि से विपक्ष को आतंकित करने को ही हेल्दी पॉलिटिक्स करार दे रहे हैं। राजनीति से सद्भाव का वह स्वाद अब गुम सा हो गया है। बंगाल में वर्षों तक सत्ता की मलाई खाने और सत्ता की हेकड़ी दिखाने वालों को भाजपा जिस तरह दुलार-पुचकार कर अपने खेमे में लाने को उतावली है, वह कहीं-न-कहीं भाजपा की कमजोरी का भी अहसास कराती है। आखिर भाजपा को उधार के नेताओं की जरूरत क्यों पड़ी है? आसनसोल के विधायक का 'कमल' थामने का जिस अंदाज में भाजपा सांसद बाबुल सुप्रियो ने विरोध कियाग उसे भी समझने और संभालने की भाजपा आलाकमान को जरूरत है। दूसरी सियासी पार्टियों से सांसदों, मंत्रियों, विधायकों और अन्य नेताओं की भीड़ जीत भले दिला दे, मगर यह बे-स्वाद ही रहेगा।

किसान समस्या : समाधान जरूरी है

विनीत नारायण

इसमें दो राय नहीं है कि देश में किसानों की हालत लगातार खराब हुई है। गत 73 वर्षो में उनकी स्थिति सुधारने के लिए अगर कोई प्रयास किए गए हैं तो उसका फायदा नहीं हुआ है। किसानों की आर्थिक हालत को बेहतर करने के लिए 2004 में तब की सरकार ने एमएस स्वामीनाथन की अध्यक्षता में एक आयोग बनाया था। 'नेशनल कमीशन अन फार्मर्स' को 'स्वामीनाथन आयोग' के नाम से भी जाना जाता है।

इस आयोग ने पांच रिपोर्ट दी हैं। अंतिम व पांचवीं रिपोर्ट चार अक्टूबर, 2006 को दी गई थी। इस रिपोर्ट की सिफारिशें आज तक लागू नहीं की जा सकी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कहना है कि नये कृषि कानून किसानों के हक में हैं। इसलिए किसानों की मांग न होते हुए भी, सरकार ने अचानक बिना घोषित तैयारी के जल्दबाजी में तीन कृषि कानून पास कर दिए। संसद में इन पर चर्चा नहीं होना और इन्हें पास किए जाने का तरीका विवादास्पद रहा। पर सरकार इन कानूनों के आलोचकों को भ्रमित बता रही है, जबकि दूसरी ओर विपक्षी दल इसे नोटबंदी की तरह ही जल्दीबाजी में बनाया गया कानून कह कर सरकार से इस पर संसद में बहस की मांग कर रहे हैं। उनका आरोप है कि इस बहस से बचने के लिए ही सरकार ने संसद का शीतकालीन सत्र कोविड के बहाने रद्द किया है, जबकि बिहार, हैदराबाद चुनावों व सिंघु सीमा पर जमी किसानों की भारी भीड़ कोविड के भय को आईना दिखा रही है। किसानों, सरकार व विपक्ष के बीच ऐसे अविश्वास के माहौल में अगर बातचीत नहीं होगी तो समस्या का हल निकलने की संभावना नहीं दिखती है।

उधर कुछ राजनैतिक कार्यकर्ताओं द्वारा किसानों को खालिस्तानी और न जाने क्या-क्या कहा जा रहा है, जबकि आंदोलनकारी सरकार पर पूंजीपतियों के हित में काम करने का आरोप लगा रहे हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी किसानों के आंदोलन के हक को संवैधानिक बताते हुए सरकार को वार्ता जारी रखने का निर्देश दिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर व रेल मंत्री पीयूष गोयल, यहां तक की गृह मंत्री अमित शाह तक किसानों से वार्ता कर चुके हैं पर अभी तक हल नहीं निकला है। अब तो किसान बात करने को भी तैयार नहीं हैं। तो बीच का रास्ता निकालना मुश्किल है। पर कोशिशें जारी हैं। यह दिलचस्प है कि उत्पादन कम होना खेती की समस्या की नहीं है। अगर ऐसा होता तो उसे उत्पादन बढ़ाकर ठीक किया जा सकता था।

हरित क्रांति के बाद देश में अनाज का पर्याप्त उत्पादन हो रहा है और इस मामले में हम आत्मनिर्भर हैं। पर खेती करने वाले किसान आत्मनिर्भर नहीं हैं। जरूरत उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की है और इसके लिए उन्हें उत्पाद का वाजिब मूल्य मिलना जरूरी है। अभी तक यह न्यूनतम समर्थन मूल्य से सुनिश्चित किया जाता था। पर नये कानून में इसका प्रावधान नहीं है। हालांकि सरकार कह रही है कि वह व्यवस्था बनी रहेगी। विरोध और विवाद का मुद्दा यही है और यह सरकार की साख तथा भरोसे से भी जुड़ा है।

वैसे, यह समझने वाली बात है कि किसान को जरूरत न्यूनतम समर्थन मूल्य की है न कि कहीं भी बेचने की आजादी। किसान खराब होने वाली अपनी फसल लेकर बाजार में घूमे भी तो खरीदने वाला उसे उचित कीमत नहीं देगा क्योंकि वह जानता है कि पैदावार कुछ दिन में खराब हो जाएगा और किसान की मजबूरी है कि वह उसे जो कीमत मिल रही है उसपर बेचे। कोई भी खरीदार इसका लाभ उठाएगा और यही किसान की समस्या है। न्यूनतम समर्थन मूल्य आसान उपाय है। दूसरा उपाय यह हो सकता था कि किसानों की पैदावार को लंबे समय तक सुरक्षित रखने की व्यवस्था हो और वह सही समय पर अपनी उपज सही मूल्य पर (सही बाजार में) बेच पाए। पर खुले ट्रक या ट्रैक्टर पर किसानों की ज्यादातर फसल कुछ दिन में बेकार हो जाती है। इसलिए किसानों को करपोरेट की तरह एमआरपी यानी अधिकतम खुदरा मूल्य की सुविधा नहीं मिलती है बल्कि न्यूनतम समर्थन मूल्य की सुविधा थी जो अब खत्म होती लग रही है। ऐसे में उनका परेशान होना वाजिब है।

समस्या इतनी ही नहीं है। न्यूनतम समर्थन मूल्य जब जरूरी है और उसे खत्म किया जा रहा है तो यह कौन बताए और कौन सुनेगा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य भी लागत और आवश्यक मुनाफे के लिहाज से कम होता है और इसे बढ़ाने की जरूरत है पर अभी तो उसकी बात ही नहीं हो रही है। पूरी व्यवस्था ही उलट-पुलट हो गई लगती है। यह दिलचस्प है कि एक तरफ सरकार किसानों को नकद आर्थिक सहायता दे रही है और दूसरी ओर उसे सरकार की नीति का विरोध करने वाले किसान संपन्न नजर आ रहे हैं। इसे खूब प्रचारित किया जा रहा है। आम जनता को यह बताने की कोशिश की जा रही है कि सरकार का विरोध करने वाले गरीब, परेशान या प्रभावित नहीं हैं और जो गरीब, परेशान या प्रभावित हैं वे नकद सहायता से खुश हैं।

अव्वल तो यह वास्तविकता नहीं हो सकती है पर हो भी तो स्थायी समाधान नहीं है। यह अनवरत नहीं चलता रह सकता है कि किसान सब्सिडी से काम चलाएं। कुछ उपाय तो किया ही जाना चाहिए। और अगर इतने बड़े आंदोलन से भी इस जरूरत को नहीं महसूस किया गया है तो यह चिंता की बात है। जैसा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि कृषि बिल के हर बिंदु पर सरकार और किसानों के बीच खुले मन से विमर्श होना चाहिए जिससे, अगर कोई भ्रम है तो वो दूर हो जाए और अगर कानून गलत बन गया है तो उसका संशोधन हो जाए। इसलिए दोनों पक्षों के बीच वार्ता होना बहुत जरूरी है।

अव्वल तो यह वास्तविकता नहीं हो सकती है पर हो भी तो स्थायी समाधान नहीं है। यह अनवरत नहीं चलता रह सकता है कि किसान सब्सिडी से काम चलाएं। कुछ उपाय तो किया ही जाना चाहिए। और अगर इतने बड़े आंदोलन से भी इस जरूरत को नहीं महसूस किया गया है तो यह चिंता की बात है। जैसा केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि कृषि बिल के हर बिंदु पर सरकार और किसानों के बीच खुले मन से विमर्श होना चाहिए जिससे, अगर कोई भ्रम है तो वो दूर हो जाए.

अंतर्मन

आत्मबल पर कृत्रिम सफलता का सर्पदंश

दिनेश चमोला 'शैलेश'

संघर्ष की सीढ़ियां चढ़कर सफलता के दुर्ग पर आसीन होना किसको अच्छा नहीं लगता है? लेकिन जब आप किसी के द्वारा बलात?? उठाए जाने पर किसी मंच विशेष पर आरूढ़ होते हैं तो वह सफलता, सफलता होते हुए भी आपको भीतर से न केवल कचोटती है बल्कि गहन अपराधबोध का भी शिकार बना देती है। लेकिन इसके दूसरी ओर परिश्रम, निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के आधार पर तय किया गया ज्ञान और साधना का सफर आपको जहां भौतिक खुशियों से सराबोर कर सकता है, वहां भीतर से भी आप को आत्मबल देता है।

प्रायोजित सफलताएं चाहे बाह्य दृष्टि से आपको सुख, उल्लास एवं आनंद की प्रतीति कराती हों लेकिन भीतर-भीतर अपराध बोध का दंश आपको लगातार चुभन देता रहता है। सफलता वही वास्तव में सफलता कहलाने लायक है, जिसमें आपके जीवन का एक-एक क्षण एक-एक पल परिश्रम, स्वाध्याय, ईमानदारी, सेवा, समर्पण के रूप में व्यतीत हुआ हो। प्रसिद्ध विचारक हरमन मेलविल्ले का कथन है कि 'मौलिकता में असफल होना, कृत्रिम सफलता से अच्छा है।'

वस्तुतः कृत्रिम सफलता को पाने के लिए भी मनुष्य वास्तविक सफलता से कई गुना अधिक जुगाड़, परिश्रम, दौड़-धूप व अपनी दुर्लभ ऊर्जा का अपव्यय करता है। किंतु उसी ऊर्जा का उपयोग वह मौलिकता के क्षेत्र में अपने असली मूल्यों को संरक्षित कर अपनी स्वाभिमानी प्रतिभा का परिचय देने के लिए नहीं करता। वहीं विजयी होने के बावजूद भीतर से पराजित होने का ही बोध कराती है। दूसरी प्रकार की निष्ठावान सफलता, उसे हारने पर भी जीतने का अहसास कराने की क्षमता रखती है। सफलता और असफलता के मार्ग में आता परिश्रम, निष्ठा, दौड़-धूप व उद्यम की दृष्टि से बहुत ज्यादा अंतर नहीं होता है। जितना परिश्रम एक व्यक्ति कमरतोड़ मेहनत कर धन जुटाने में करता है, उससे कम किसी भी रूप में कोई चोर उसे पाने के लिये नहीं करता है। प्रसिद्ध विचारक कॉलिन आर डेविस ने कहा है कि 'सफलता का मार्ग तथा असफलता का मार्ग लगभग समान ही होता है।' जिस प्रकार कोई विद्यार्थी बिना परिश्रम शार्टकट से उस विषय अथवा कक्षा में स्वर्ण पदक अथवा उच्चतम अंक प्राप्त कर सर्वोत्तम घोषित हो सकता है, लेकिन गुणवत्ता, ज्ञान और मौलिकता की दृष्टि से हर क्षण वह उस तथाकथित ज्ञानी समाज का सामना करने के लिए स्वयं को नितांत असमर्थ असहाय व सर्वथा अयोग्य पाता है।

जीवन के किसी भी क्षेत्र विशेष में सफल होने के लिए प्रतिद्वंद्वी पक्ष कई प्रकार के डर, भय, आतंक व हौवा आदि का वातावरण सृजित कर देते हैं, जिससे पहला पक्ष अपने लक्ष्य, गंतव्य अथवा संघर्ष-पथ से विचलित हो जाने के लिए बाध्य हो जाता है। लेकिन असली सफलता की चाह रखने वाला मौलिक सर्जक, चिंतक, विचारक और अपने लक्ष्य पर आरूढ़ होने वाला व्यक्ति व व्यक्तित्व वह है जो जीवन-लक्ष्य में ऐसे किसी भी कृत्रिम शोर-शराबे से प्रदर्शनों की चुनौतियों से किसी भी प्रकार विचलित नहीं होता और उन्हें परास्त करता हुआ अपने गंतव्य व लक्ष्य की ओर अग्रसर होता है। सफलता का वही असली आनंद है जब क्षण-क्षण हमारे जीवन मूल्य; हमारा परिश्रम; हमारी निष्ठा और हमारे आदर्शों का भावनात्मक दुर्ग अपने मन के भीतर मौलिकता एवं दृढ़ता से मूल्य बोध का संचय करता है। प्रसिद्ध चिंतक बिल कॉस्बी के अनुसार 'सफलता पाने के लिए, आपकी सफलता की इच्छा, आपके असफलता के भय से बड़ी होनी चाहिए।' आज संसार में बहुत सारे लोग जीवन के क्षुद्र स्वार्थों को सिद्ध करने के लिए अपने जीवन-मूल्यों को गिरवी रखते हुए, कृशकाय अवस्था में भी, किसी की चमचागिरी व छद्म स्तुतिगान में ऐसे-ऐसे कार्य कर अपना उल्लू सीधा करने में जुटे रहते हैं कि उन्हें अपने मूल्यों, उम्र व सीमाओं का भी बोध नहीं रहता, फिर वे अपनी आत्मा की दुर्लभ वाणी को गिरवी रख अपने लिए मृत्यु शैया पर जाने से पहले भी याचक बन मांगते रहते हैं, फिर कृत्रिम चकाचौंध यानी-पद, गाड़ी, प्रतिष्ठा, समितियों की सदस्यता, किसी बोर्ड अथवा विश्वविद्यालयों आदि की अध्यक्षता जैसे उच्च पदों को पाने की चाह में दुर्लभ जीवन गंवा बैठते हैं।

संसार की दृष्टि में बार-बार विजयी, वैभवी व अति संपन्न दिखाई देते हुए भी वे भीतर से अपने को निकृष्टतम व विपन्न करार देते हैं। यह दुर्लभ जीवन ईश्वर ने अपनी प्रतिभा को चंद स्वार्थों में गिरवी रखने के लिए अथवा किसी का चारण-भाट कवि बनकर उनके व्यर्थ स्तुतिगान के लिए नहीं दिया है। अपनी आत्मा व मूल्यों की हत्या कर मिला कृत्रिम वैभव, पद व सत्ता भला किस काम की?

परिश्रम व मौलिकता की सीढ़ियां चढ़कर ही फलदायिनी हो सकती है सफलता, अन्यथा ऐसी कृत्रिम सफलता बार-बार सर्पदंश की तरह आपकी आत्मा व हृदय को दंश देती रहती है।

शराबबंदी

नये सिरे से बनानी होगी रणनीति

रिजवान अंसारी

बिहार में लागू होने के चार साल बाद भी शराबबंदी कानून एक बार फिर से खासा चर्चा में है।

हालांकि, यह पहला मौका नहीं है जब यह कानून चर्चा का विषय बना हुआ है, लेकिन इस बार कई कारणों से शराबबंदी पर मचे घमासान के चलते यह फिर से बिहार में बहस का केंद्र बना हुआ है। एक कारण यह है कि कांग्रेस के साथ-साथ भाजपा सांसद निशिकांत दूबे ने जहां शराबबंदी को फेल बताया है, वहीं बिहार एनडीए के जीतन राम मांझी ने भी इस कानून में ढिलाई की वकालत कर दी है। वहीं, दूसरी ओर नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे (एनएफएचएस), 2019-20 के ताजा आंकड़ों ने बिहार में शराबबंदी की कामयाबी पर सवालिया निशान लगा दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक अगर महाराष्ट्र और बिहार की तुलना करें, तो शराबबंदी के बावजूद नशा सेवन में बिहार के लोगों का प्रतिशत महाराष्ट्र के बरक्स ज्यादा है। आंकड़े बताते हैं कि बिहार में 15.5 फीसद लोग शराब का सेवन करते हैं बिहार के ग्रामीण इलाकों में 14 फीसद जबकि शहरी इलाकों में 15.8 फीसद लोग शराब का सेवन करते हैं। यह सब कुछ तब है, जब कानून तोड़ने पर जुर्माना और सजा का प्रावधान है। इसके बावजूद शराब की बिक्री रु की नहीं है। हालांकि, इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि हजारों करोड़ रु पये के राजस्व पर शराबबंदी को सामाजिक सुधार के वास्ते तरजीह दी गई थी और आज भी इसका मूल मकसद यही है।

कानून तोड़ने के आंकड़े इस पर जरूर सवाल खड़े करते हैं, मगर यह भी सच है कि समाज में इसका सकारात्मक असर पड़ा है। थानों में दर्ज सड़क दुर्घटना के मामले घटे हैं और पारिवारिक अशांति के मामलों में गिरावट आई है, लेकिन कानून उल्लंघन के बढ़ते मामलों के चलते इस कानून के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है। ऐसा इसलिए भी है कि एनएफएचएस के आंकड़ों का हवाला देते हुए अब शराब निर्माताओं ने भी शराबबंदी कानून वापस लेने की मांग कर नीतीश कुमार की टेंशन बढ़ा दी है। कानून के उल्लंघन के चलते अदालतों में लंबित मामला एक अलग समस्या है। दरअसल, दो लाख से ज्यादा मामले लंबित हैं। इनमें ज्यादातर गरीब तबके के लोग हैं। जीतन राम मांझी ने ऐसे ही लोगों की तरफ इशारा किया है, जिनके पास जमानत की राशि तक नहीं है।

हालिया दिनों में पटना हाईकोर्ट ने भी इस पर चिंता जताई थी। ये लंबित मामले न केवल न्यायपालिका पर अतिरिक्त दबाव डाल रहे हैं, बल्कि आरोपितों के परिवार के लिए भी मुश्किलें खड़ीं कर रहे हैं। लिहाजा, नीतीश सरकार को फास्ट ट्रैक कोर्ट की स्थापना पर ध्यान देना होगा। अगर शराबबंदी की सफलता की बात करें, तो यह राज्यों की प्रशासनिक क्षमता पर निर्भर करती है और शराबबंदी के संदर्भ में अक्सर ही राज्य की प्रशासनिक क्षमता कमजोर साबित हुई है। आंध्र प्रदेश और हरियाणा में क्रमशः 1995 और 1996 में शराबबंदी लागू हुई थी, लेकिन इसी कारण फैसले वापस ले लिए गए। वजह है कि शराब माफियाओं की बहुलता राज्य की प्रशासनिक क्षमता को पंगु बना देती है। इससे इतर, अब तक के अनुभव बार-बार साबित करते रहे हैं कि नशाखोरी जैसी आदतें कड़े कानून बनाकर और सख्त सजाएं देकर दूर नहीं की जा सकतीं, क्योंकि ये समाज की इच्छा और अनिच्छा से जुड़ा मसला है। लिहाजा, लोगों को जागरूक बनाने और उन्हें नैतिकता का बोध कराने से ही यह लत दूर होगी। इसके लिए सरकार को सिविल सोसायटी से मदद का आह्वान करना चाहिए। समाज के प्रभावशाली लोगों को आगे आकर शराब के खिलाफ एक जनमत तैयार करना होगा।

वक्त आ गया है कि बार-बार नाकाम साबित हुई शराबबंदी की नीति को लागू करते हुए उसका नुकसान उठाते रहने के बजाय इस नीति को पलटने का फैसला किया जाए। इतने सारे उपाय के बाद यदि प्रशासनिक दक्षता को सुदृढ़ नहीं किया गया, तो शराबबंदी के बारे में सोचना भी बेमानी होगी, क्योंकि राज्य का मजबूत प्रशासनिक तंत्र ही शराबबंदी को सुनिश्चित कर सकता है। समझने की जरूरत है कि लुके-छिपे शराब की बिक्री से सिस्टम में भ्रष्टाचार जैसी अन्य कई बुराइयां जोर पकड़ने लगी हैं। फिर 90 फीसद अवैध शराब की खपत गरीब और पिछड़े तबकों के लोग कर रहे हैं, जिसकी कीमत 400 फीसद तक बढ़ गई है। जबकि शराबबंदी का मकसद गरीबों को इस गंदगी से बाहर निकालना था। बहरहाल, बिहार सरकार द्वारा शराबबंदी के क्रियान्वयन की लचरता को दूर करने के लिए उचित और सख्त कदम उठाए जाने की जरूरत है ताकि शराबबंदी के उद्देश्य धूमिल न होने पाए और आने वाली पीढ़ी को एक बेहतर भविष्य मिल सके।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डॉलर के मुकाबले रुपया 23 पैसे लुढ़ककर 73.79 पर बंद

मुंबई, विदेशी बाजारों में अमेरिकी डॉलर के मजबूत होने और घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकवाली के चलते अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में भारतीय मुद्रा, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 23 पैसे लुढ़ककर 73.79 रुपये प्रति डालर पर बंद हुई। हालांकि, कच्चे तेल की नरम पड़ती कीमतें और विदेशी निधियों के सतत निवेश के कारण रुपये की गिरावट पर कुछ अंकुश लग गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, प्रति डॉलर 73.74 रुपये पर काफी कमजोर खुला। इसके बाद दिन में कारोबार के दौरान दर 73.81 के निम्न स्तर और 73.63 के उच्च स्तर के बीच घूमने के बाद अंत में डॉलर के मुकाबले रुपया 23 पैसे लुढ़ककर 73.79 पर बंद हुआ। शुक्रवार को रुपये की विनिमय दर तीन पैसे बढ़कर 73.56 रुपये प्रति डालर पर बंद हुई थी। इस बीच छह वैश्विक मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति दर्शाने वाला सूचकांक 0.94 प्रतिशत की बढ़त लेकर 90.80 हो गया। विदेशी संस्थागत निवेशक पूंजी बाजार में शुद्ध लिवाल बने रहे जिन्होंने शुक्रवार को 2,720.95 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट कच्चा तेल 5.20 प्रतिशत गिरकर 49.54 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था।

एंटनी वेस्ट हैंडलिंग सेल के आईपीओ को खुलने के पहले कुछ घंटों में 1.11 गुना अभिदान मिला

नयी दिल्ली. एंटनी वेस्ट हैंडलिंग सेल की प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) को सोमवार को खुलने के पहले कुछ घंटों के भीतर ही 1.11 गुना अभिदान मिल गया। बर्गर किंग इंडिया और मिसेज बैक्टर्स फूड स्पेशलिटीज की तरह ही कंपनी को भी आईपीओ खुलने के कुछ ही घंटों में पूर्ण अभिदान मिल गया। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार दोपहर दो बजे तक 66,66,342 शेयरों की पेशकश पर 74,13,733 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। आईपीओ के जरिए लगभग 300 करोड़ रुपये जुटाए जाने हैं, जिसमें 85 करोड़ रुपये का ताजा निर्गम शामिल है। आईपीओ के तहत बोली का दायरा 313-315 रुपये प्रति शेयर है। कंपनी ने एंकर निवेशकों से 90 करोड़ रुपये जुटाए हैं। आईपीओ बुधवार को बंद होगा।

एलएंडटी फाइनेंस होल्डिंग्स ने पश्चिम एशिया की सहायक इकाई को बंद किया

नयी दिल्ली, एलएंडटी फाइनेंस होल्डिंग्स से सोमवार को कहा कि उसकी सहायक इकाई एलएंडटी कैपिटल मार्केट (पश्चिम एशिया) लिमिटेड या एलटीसीएम को भंग कर दिया गया है। एलटीएफएच ने 17 जुलाई को बताया था कि उसने संयुक्त अरब अमीरात के कानूनों के तहत दुबई में गठित अपनी एक पूर्व स्वामित्व वाली सहायक इकाई को स्वैच्छिक रूप से बंद करने का फैसला किया है, जो दुबई में ऑफ-शोर परिसंपत्ति प्रबंधन व्यवसाय में शामिल थी। एचटीएफएच ने शेयर बाजार को बताया कि दुबई में 20 दिसंबर को आधिकारिक परिसमापक से मिली जानकारी के मुताबिक उल्लेखनीय है कि नियामक दुबई इंटरनेशनल फाइनेंशियल सेंटर, दुबई ने एलटीसीए को भंग कर दिया है, जो 17 दिसंबर 2020 से प्रभावी है। एलटीसीएम (एमई) की कुल आय 31 मार्च 2020 को 20.99 करोड़ रुपये थी, जो एलएंडटीएफएच की कुल आय 0.14 प्रतिशत था।

देश में बन रहे 95 फीसदी कृषि यंत्र, 10 साल में दोगुने मैकेनाइजेशनका लक्ष्य : तोमर

नई दिल्ली।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण, ग्रामीण विकास, पंचायत राज और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने सोमवार को कहा कि 95 फीसदी कृषि यंत्र देश में ही बनाए जा रहे हैं और कृषि क्षेत्र के विकास के लिए 10 साल के भीतर प्रति हेक्टेयर मैकेनाइजेशन दोगुना करने का लक्ष्य है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि, **Prime Minister** नरेंद्र मोदी के आह्वान पर देश में वोकल फॉर लोकल के प्रति उत्साह का माहौल बना हुआ है। ऐसे में फार्म मशीनीकरण का क्षेत्र पहले से ही स्थानीय उत्पादन में जुटा हुआ है और करीब 95 फीसदी मशीनें देश में ही बनाई जा रही हैं। ट्रैक्टर एंड मैकेनाइजेशन एसोसिएशन (टीएमए) की सालाना आम बैठक यानी एजीएम में बतौर मुख्य अतिथि कृषि मंत्री तोमर ने फार्म मशीनीकरण के विषय पर अपने संबोधन में कहा कि सरकार का जोर किसानों के खेत तक महंगे व बड़े एडवांस्ड कृषि यंत्र उपलब्ध कराने पर है। उन्होंने एसोसिएशन के सदस्यों से छोटे रकबे वाले किसानों को छोटी उपयोगी मशीनें उपलब्ध कराने का आग्रह किया, ताकि उनका लाभ देश के 86 फीसदी छोटे किसान उठा सकें और उनकी आमदनी में बढ़ोतरी हो। उन्होंने बताया कि सबमिशन ऑन एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन की योजना सभी राज्यों में लागू की गई है, ताकि कृषि मशीनीकरण के उपयोग को बढ़ावा मिले और कृषि शक्ति के अनुपात को बढ़ाया जा सके।

ने कहा कि किराए के आधार पर किसानों के खेत तक महंगे व बड़े एडवांस्ड कृषि यंत्र उपलब्ध कराने पर भी सरकार इस स्कीम के माध्यम से जोर दिया है। व्यक्तिगत किसान को परियोजना लागत में 40 फीसदी तक सब्सिडी का प्रावधान है, वहीं किसानों के समूह को प्रोजेक्ट में 80 फीसदी तक की सब्सिडी दी जाती है, जिसकी अधिकतम राशि 10 लाख रुपये तक हो सकती है। पूर्वोत्तर प्रांतों के किसानों के लिए परियोजना लागत की 95 फीसदी तक सब्सिडी मिलती है।

जीएमआर इंफ्रा की प्रस्तावित पुनर्गठन योजना को शेयर बाजार की मंजूरी

नई दिल्ली: जीएमआर इंफ्रास्ट्रक्चर ने सोमवार को कहा कि उसे अपने हवाई अड्डे से इतर कारोबार के विलय सहित प्रस्तावित पुनर्गठन योजना को शेयर बाजार की मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने कहा कि वह छह महीने के भीतर इस योजना को राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के समक्ष दाखिल करेगी। जीएमआर इंफ्रास्ट्रक्चर ने शेयर बाजार को बताया, ''राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण के समक्ष छह महीने में योजना को दाखिल करने के लिए कंपनी को शेयर बाजार की सहमति मिल गई है।'' कंपनी ने कहा कि उसने बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया के समक्ष जीएमआर पावर इंफ्रा (जीपीआईएल), जीएमआर इन्फ्रास्ट्रक्चर, जीएमआर पावर और अर्बन इंफ्रा तथा उनके संबंधित शेयरधारकों (स्कीम) के विलय के लिए आवेदन किया था।

देश में अंतरदेशीय जल मार्गों के जरिये पोत परिवहन सेवाओं के लिये नये मार्गों की पहचान

नयी दिल्ली. देश के तटीय क्षेत्रों में पोत परिवहन गतिविधियों और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने 'रो-रो' (रोल ऑन- रोल ऑफ) नौका सेवाओं के लिये नए मार्गों की पहचान की है। इसमें सोमनाथ मंदिर, हजीरा, ओखा और जामनगर के मार्ग शामिल हैं। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने सोमवार को एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। मंत्रालय की सागरमाला परियोजना के तहत छह अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों की पहचान भी की गयी है। सागरमाला परियोजना का लक्ष्य देश की 7,500 किलोमीटर लंबी तटीय जलरेखा का लाभ उठाना है। इसके तहत देश में बंदरगाह आधारित विकास को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। बयान में कहा गया है, '' मंत्रालय ने हजीरा, ओखा, सोमनाथ मंदिर, दीव, पिपावाव, दाहेज, मुंबई या जवाहर लाल नेहरू बंदरगाह, जामनगर, कोच्चि, घोघा, गोवा, मुंदड़ा और मांडवी जैसे घरेलू स्थानों की पहचान की है। इन स्थानों पर आंतरिक जलमार्गों के माध्यम से फेरी सेवा की शुरूआत की जानी है।'' इसके अलावा चट्टोग्राम (बांग्लादेश), सिशलीज (पूर्वी अफ्रीका), मेडागास्कर (पूर्वी अफ्रीका) और जाफना (श्रीलंका) जैसे चार अंतरराष्ट्रीय स्थानों को जोड़ने वाले छह अंतरराष्ट्रीय मार्गों की भी पहचान की गयी है।

शेयर बाजार में भारी गिरावट, निवेशकों के डूबे 7 लाख करोड़

बिजनेस डेस्क:

इंग्लैंड सहित यूरोप के कुछ देशों में नए तरह के कोरोना वायरस बेकाबू हो जाने के चलते घरेलू शेयर बाजार में भारी गिरावट रही है। नए तरह का कोरोना वायरस पहले के मुकाबले 70 फीसदी ज्यादा खतरनाक बताया जा रहा है। इन घटनाक्रम की वजह से आज शेयर बाजार में निवेशकों का सेंटीमेंट बिगड़ गया और जमकर बिकवाली हुई। हर सेक्टर में भारी बिकवाली के चलते सेंसेक्स 1407 अंक टूटकर 45,553.96 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 432 अंक टूटकर 13,328.40 के स्तर पर बंद हुआ है।

निवेशकों के डूबे 7 लाख करोड़

बाजार की इस भारी गिरावट में निवेशकों को जमकर नुकसान हुआ है। आज के कारोबार में बीएसई लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप करीब 7 लाख करोड़ रुपए घट गया है। शुक्रवार 18 दिसंबर को बीएसई लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 1,85,38,636.70 करोड़ रुपए था। वहीं 21 दिसंबर को यह घटकर 1,78,33,232.91 करोड़ रुपए रह गया यानी निवेशकों की दौलत में करीब 7 लाख करोड़ रुपए की कमी आई।

आज के टॉप लूजर्स

आज के कारोबार में सेंसेक्स 30 के 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए हैं। आज के टॉप गेनर्स में ओएनजीसी में करीब 10 फीसदी गिरावट रही। इंडसइंड बैंक में 7 फीसदी गिरावट रही है। रूरू 6 फीसदी टूटा है। एसबीआई में 6 फीसदी, एनटीपीसी में 6 फीसदी और आईटीसी में 5 फीसदी गिरावट रही है। एक्सिस बैंक, पावरग्रिड और आईसीआईसीआई बैंक भी टॉप लूजर्स में शामिल हैं।

बैंक, ऑटो और मेटल में भारी गिरावट

आज के कारोबार में बाजार में चौतरफा बिकवाली रही है। निफ्टी के प्रमुख 11 में से सभी 11 इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए हैं। बैंक और ऑटो इंडेक्स में 4 फीसदी गिरावट रही है। मेटल इंडेक्स में 5 फीसदी गिरावट रही है। रियल्टी इंडेक्स भी 4 फीसदी से ज्यादा टूटा है। फार्मा में 3.5 फीसदी, एफएमसीजी में 2.5 फीसदी और आईटी इंडेक्स में 2 फीसदी के करीब गिरावट रही है।

अमेजन को झटका, फ्यूचर-रिलायंस रिटेल सौदे पर नियामक लें फैसला: दिल्ली उच्च न्यायालय

बिजनेस डेस्क:

देश के सबसे बड़े रिटेल सौदे की राह में आ रही बाधाओं के दूर होने का रास्ता साफ होता नजर आ रहा है। सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय ने फ्यूचर ग्रुप और अमेजन विवाद मामले में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए नियामकों को निर्देश दिया है कि वे फ्यूचर ग्रुप के आवेदन और आपत्तियों पर कानून के अनुसार निर्णय करें। न्यायालय ने हालांकि फ्यूचर रिटेल लिमिटेड की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उसने गुहार लगाई थी कि अमेजन को नियामकों से बातचीत करने से रोका जाए। न्यायाधीश मुक्ता गुप्ता ने आज फ्यूचर ग्रुप की वह याचिका तो खारिज कर दी जिसमें सौदे को लेकर अमेजॉन को नियामकों से बातचीत नहीं करने के निर्देश का आग्रह किया गया था। न्यायाधीश गुप्ता ने इसके साथ ही सौदे पर नियामकों से फ्यूचर ग्रुप की आपत्तियों और आवेदन के अनुसार निर्णय का निर्देश भी दिया। इससे पहले 20 नवंबर की सुनवाई में न्यायालय ने अपना फैसला सुरक्षित रखा था। 20 नवंबर को सुनवाई के दौरान न्यायालय ने दोनों पक्षों को अपनी दलीलें पेश करने का निर्देश दिया था। इस सौदे पर 25 अक्तूबर को सिंगापुर की एक मध्यस्थता अदालत ने अंतरिम रोक लगा दी थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने नियामकों को इस विवाद पर निर्णय करने का आदेश दे कर सकेत दिया है कि मामले को भारतीय कानून व्यवस्था के तहत ही सुलझाया जाएगा।

अमेजन ने फेमा और FDI नियमों का किया उल्लंधन

दिल्ली उच्च न्यायालय ने माना है कि रिलायंस को सौदे की मंजूरी देने वाला फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) बोड प्रस्ताव मान्य है और पहली नजर में वैधानिक प्रावधानों के अनुसार नजर आता है। अमेजन ने इसे अमान्य करार दिया था। न्यायाधीश गुप्ता ने 132 पन्नों के अपने आदेश में यह भी कहा कि अमेजन ने फेमा और एफडीआई के नियमों का उल्लंधन किया है। अमेजन ने विभिन्न समझौते करके एफआरएल पर नियंत्रण करने की कोशिश की जिसे सही नही ठहराया जा सकता। न्यायालय ने कहा कि अगर फ्यूचर और रिलायंस को अमेजन की वजह से नुकसान उठाना पड़ा है तो उस पर सिविल कारवाई भी हो सकती है। अब यह मामला भारतीय प्रतिभूति नियामक आयोग (सेबी) नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल (एनसीएलटी) और अन्य नियामकों के पाले में आ गया है। उन्हें इस मामले पर फैसला लेने की हरी झंडी न्यायालय से मिल चुकी है। इससे पहले, 20 नवंबर को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने रिलायंस इंडस्ट्रीज और फ्यूचर समूह के सौदे को मंजूरी दे दी थी। जिसके बाद दोनों कंपनियां सौदे को अंतिम रूप देने में जुट गई हैं।

24,713 करोड़ रुपए में हुआ था सौदा

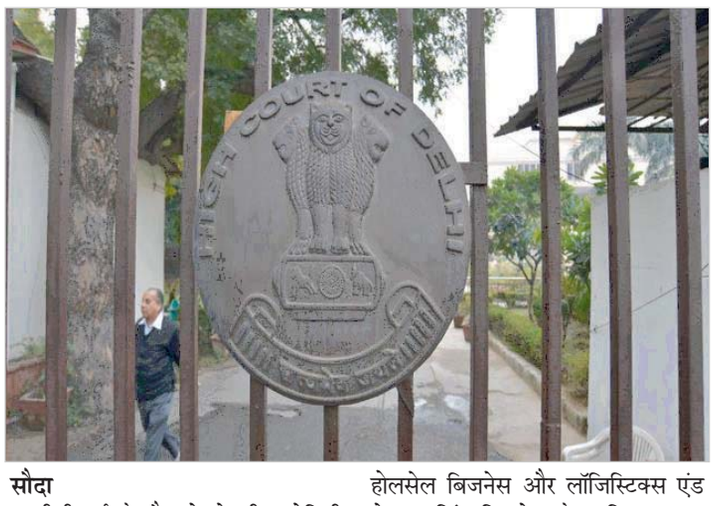

सीसीआई के फैसले से भी अमेरिकी दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन को तगड़ा झटका लगा था। रिलायंस इंडस्ट्रीज की सब्सिडायरी कंपनी रिलायंस रिटेल वेंचर्स लिमिटेड (आरआरवीएल) ने इस साल अगस्त में फ्यूचर ग्रुप के रिटेल एंड होलसेल बिजनेस और लॉजिस्टिक्स एंड वेयरहाउसिंग बिजनेस के अधिग्रहण का एलान किया था। इस डील के बाद फ्यूचर ग्रुप के 420 शहरों में फैले हुए 1,800 से अधिक स्टोर्स तक रिलायंस की पहुंच बन जाती। यह डील 24713 करोड़ में फाइनल हुई थी।

एसकेएफ इंडिया ने कौशल विकास के लिए टाटा स्ट्राइव से की साझेदारी

पुणे ।

बियरिंग्स बनाने वाली कंपनी एसकेएफ इंडिया ने टाटा स्ट्राइव के साथ स्किल डेवलपमेंट पहल को लेकर एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। टाटा स्ट्राइव, टाटा ट्रस्ट्स की एक ऐसी इकाई है जो देश के युवाओं के कौशल विकास के लिए काम करती है। इसके लिए वह टाटा समूह और उसके बाहर की कंपनियों, सरकारों, बैंकों और एनजीओ के साथ मिलकर काम करती है। इसके लिए महाराष्ट्र के पुणे में एसकेएफ-टाटा स्ट्राइव स्किल डेवलपमेंट सेंटर स्थापित किया गया है, जो व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र है। इस प्रोग्राम के जरिए देश के वंचित युवाओं तक पहुंचा जाएगा और उन्हें इंडस्ट्री से संबंधित स्किल्स में माहिर किया जाएगा, ताकि उनकी रोजगार क्षमता में सुधार हो। इस साझेदारी पर बात करते हुए एसकेएफ इंडिया के एमडी मनीष भटनागर ने कहा, शिक्षा और कौशल ऐसे क्षेत्र हैं, जहां हम बहुत परिवर्तन ला सकते हैं। हम शिक्षा को मजबूत करने और इंडस्ट्री की जरूरतों के बीच के अंतर को पाटने के लिए टाटा स्ट्राइव के साथ अपनी नई साझेदारी का स्वागत करते हैं। इससे युवाओं की रोजगार क्षमता को बढ़ावा मिलेगा। एक कॉर्पोरेट के तौर पर अपनी सामाजिक जिम्मेदार निभाने के लिए हम चाहते हैं कि हमारे सभी कार्यक्रम एक सार्थक बदलाव लाएं और हम भविष्य में भी इसी तरह की पहल जारी रखेंगे। वहीं टाटा स्ट्राइव की सीईओ अनीता राजन ने

कहा, केंद्र की स्थापना गुणवत्ता प्रशिक्षण कार्यक्रमों के जरिये युवा लोगों के रोजगार में सुधार के लिए की गई है। एक साथ इस अंतर को पाटने के लिए हम काम करेंगे। इस साझेदारी के तहत एसकेएफ इंडिया और टाटा स्ट्राइव संयुक्त रूप से अपने ऑपरेशनल क्षेत्रों के भीतर बेरोजगार युवाओं और काम करने वाले युवाओं के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम विकसित और वितरित करेंगे।

रीबॉक को बेच सकती है एडिडास, कंपनी ने कर्मचारियों को दी जानकारी

बिजनेस डेस्क:

जर्मनी की स्पोर्ट्स गुड्स मैन्युफैक्चरर कंपनी एडिडास अपनी सहयोगी कंपनी रीबॉक को बेच सकती है। कंपनी ने भारत में अपने कर्मचारियों को इस बारे में बताया है। कंपनी की इस घोषणा से भारतीय कर्मचारियों में अनिश्चितता का माहौल है। कोरोना महामारी के कारण बड़ी संख्या में कंपनी के स्टोर बंद हुए हैं और रेवेन्यू का नुकसान हुआ है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी स्पोर्ट्सवियर कंपनी एडिडास ने 2005 में करीब 3.8 अरब डॉलर में रीबॉक का अधिग्रहण किया था। सूत्रों का कहना है कि प्राइवेट इक्विटी फर्म्स रीबॉक को खरीदने में दिलचस्पी दिखा सकती हैं। एडिडास की एक ग्लोबल प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी ने रीबॉक के लिए स्ट्रैटजिक विकल्पों पर विचार शुरू कर दिया है। इसमें कारोबार की संभावित बिक्री भी शामिल है। उन्होंने कहा कि अब तक इस बारे में कोई फैसला नहीं किया गया है।

भारत में घटाए स्टोर्स

प्रवक्ता ने कहा कि एडिडास अपनी नई रणनीति के तहत रीबॉक पर मालिकाना हक जारी रख सकती है। इस बारे में 10 मार्च को हमारी नई रणनीति के लॉन्च पर जानकारी दी जाएगी। हमारा प्रयास रीबॉक के लिए ऐसा विकल्प खोजना है जो ब्रांड और कर्मचारी दोनों के लिए फायदेमंद हों। हम इस बारे में कर्मचारियों के सभी सवालों का जवाब देने के लिए उनके संपर्क में हैं। एडिडास ने भारत में एंग्लो-अमेरिकन फुटवियर एंड क्लोदिंग ब्रांड रीबॉक के स्टोर्स की संख्या में कमी की है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा की दक्षिण कोरियाई इकाई ने 'दिवाला' आवेदन किया

नयी दिल्ली,

महिंद्रा एंड महिंद्रा की घाटे में चल रही दक्षिण कोरियाई इकाई सैंगयोंग मोटर कंपनी (एसवाईएमसी) ने 'दिवाला' कार्रवाई के लिये आवेदन किया है। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने सोमवार को यह जानकारी दी। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में महिंद्रा एंड महिंद्रा ने कहा कि एसवाईएमसी ने दक्षिण कोरिया के कर्जदार पुनर्वास एवं दिवाला कानून के तहत सियोल की दिवाला अदालत में पुनर्वास प्रक्रिया शुरू करने के लिए आवेदन किया है।

इसके अलावा संकटग्रस्त वाहन कंपनी ने स्वायत्त पुनर्गठन समर्थन (एआरएस) कार्यक्रम के लिए आवेदन किया है। यह अदालत द्वारा तैयार प्रक्रिया होती है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने कहा कि यदि अदालत एआरएस को मंजूरी दे देती है तो एसवाईएमसी अपने बोर्ड की निगरानी में कामकाज जारी रखेगी और अंशधारकों के साथ पुनरुद्धार पैकेज पर सहमति के लिए बातचीत करेगी। कंपनी ने कहा कि यह पुनरुद्धार पैकेज इक्विटी या ऋण अथवा संबंधित कार्रवाई के रूप में हो सकता है।

हालांकि, कंपनी को इनमें से कुछ फैसलों के लिए अदालत की मंजूरी लेनी होगी।

महिंद्रा एंड महिंद्रा ने पिछले सप्ताह शेयर बाजारों को सूचित किया था कि एसवाईएमसी करीब 60 अरब केआरडब्ल्यू (408 करोड़ रुपये) के ऋण भुगतान में चूक गई है। दक्षिण कोरियाई कंपनी पर करीब 100 अरब कोरियाई वॉन यानी 680 करोड़ रुपये का कर्ज है। इस साल अप्रैल में महिंद्रा एंड महिंद्रा ने एसवाईएमसी में नयी इक्विटी डालने के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था। मुंबई की वाहन कंपनी ने 2010 में घाटे में चल रही सैंगयोंग का अधिग्रहण किया था।

एपीपी ने बिजली मंत्रालय से गैस सब्सिडी योजना फिर शुरू करने को कहा

नयी दिल्ली,

बिजली उत्पादन संघ (एपीपी) ने सरकार से देश में गैस आधारित बिजली उत्पादन परियोजनाओं के पुनरुद्धार के लिए गैस सब्सिडी योजना को फिर से शुरू करने का आग्रह किया है। इसके अलावा निकाय ने बिजली क्षेत्र के लिए समर्पित गैस आवंटन या नीलामी और प्राकृतिक गैस को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने के लिए भी कहा है, ताकि देश भर में एक समान पांच प्रतिशत कर को लागू किया जा सके। एपीपी ने बिजली मंत्री आर के सिंह को पिछले सप्ताह भेजे पत्र में संशोधित ई-आरएलएनजी (तरल प्राकृतिक गैस खरीदने के लिए सब्सिडी की इलेक्ट्रॉनिक नीलामी) योजना को फिर से शुरू करने का आग्रह किया। पत्र में कहा गया कि गैस की सीमित आपूर्ति के चलते ये बिजली संयंत्र क्षमता से काफी नीचे 22 प्रतिशत के पीएलएफ (संयंत्र लोड कारक) पर काम कर रहे हैं। एपीपी ने कहा कि सब्सिडी योजना को दोबारा शुरू करने से पीएलएफ में सुधार होगा, जिससे तनावग्रस्त गैस आधारित बिजली उत्पादन संयंत्र को राहत मिलेगी। संकटग्रस्त गैस आधारित परिसंपत्तियों की बहाली के लिए केंद्र सरकार ने 2015 में ई-आरएलएनजी योजना शुरू की थी। एपीपी ने कहा कि अब जबकि वैश्विक स्तर पर गैस की कीमतें फिर से बढ़ रही हैं, तो इस क्षेत्र के समग्र हित के लिए एक संशोधित ई-आरएलएनजी योजना को फिर से बहाल करने की

सिफारिश की गई है। निकाय की सिफारिश के अनुसार संशोधित योजना के तहत पाइपलाइन टैरिफ शुल्क में 50 प्रतिशत की कमी, विपणन मार्जिन में 75 प्रतिशत की कटौती और गैसीकरण शुल्क में 50 प्रतिशत की कटौती की जा सकती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अफगानिस्तान राष्ट्रपति ने नए क्रिकेट स्टेडियम के लिए जमीन आवंटित किया

काबुल। अंतर्राष्ट्रीय मैचों की मेजबानी करने के लिए अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) को राजधानी में नए स्टेडियम के लिए जमीन मिल गई है। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति मोहम्मद अशरफ घानी ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी के अखाली एरिया में 120,000 वर्ग मीटर जमीन स्टेडियम के निर्माण के लिए एसीबी को दे दी है। स्टेडियम में पांच सितारा गेस्ट हाउस, स्टैंडर्ड स्वीमिंग पूल, इंडोर और आउटडोर अकादमियां, दर्शकों के लिए कैनोपी, स्वास्थ्य क्लीनिक, मस्जिद, कार पार्किंग, प्रशासनिक ब्लॉक के अलावा कई और सुविधाएं होंगी।एसीबी के मुताबिक, स्टेडियम में 35,000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था होगी। एसीबी चेयरमैन फरहान युसेफजई ने एक बयान में कहा, मैं इस बात को बताते हुए खुश हूं कि काबुल में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेजडियम बनाया जाएगा जहां प्रशंसक अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को खेलते हुए देखेंगे। उन्होंने कहा, मैं राष्ट्रपति को धन्यवाद देता हूं जो हमेशा क्रिकेट के विकास के लिए हमारा साथ देते हैं और हमारे खिलाड़ियों को प्रेरणा देते हैं। शुरुआती औपचारिकताओं के बाद स्टेडियम का काम शुरू हो जाएगा। हम इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि यह सर्वश्रेष्ठ तरीके से हो।अफगानिस्तान 2010-16 तक शारजाह में मेजबानी किया करता था। इसके बाद 2017 में भारत में ग्रेटर नोएडा उसका घरेलू मैदान बना।

आईएसएल-7 : हाईलैंडर्स को हराकर जीत का खाता खोलना चाहेगा ओडिशा

आईएसएल-7।

हाईलैंडर्स को हराकर जीत का खाता खोलना चाहेगा ओडिशा (फ़ीव्यू)वास्को (गोवा), 21 दिसम्बर (आईएएनएस)। जीएमसी स्टेडियम में मंगलवार को दो ऐसी टीमों के बीच मुकाबला होना है, जिनका हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में अब तक का सफर बिल्कुल अलग रहा है। ओडिशा एफसी को जहां अब तक सातवें सीजन में जीत की तलाश है वहीं नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी छह मैचों के बाद मिली पहली हार के बाद जीत की पटरी पर लौटना चाहेगी। छह मैचों के बाद ओडिशा के खाते में सिर्फ एक अंक है और वह अंक तालिका में सबसे नीचे है। उसे इस सीजन में अब तक सभी टीमों के बीच सबसे अधिक पांच हार मिली है। अब उसे जीत की पटरी पर लौटना ही होगा लेकिन उसका सामना एक ऐसी टीम से होने जा रहा है जो खुद जीत की पटरी पर लौटने के लिए बेताब है।

हाईलैंडर्स नाम से मशहूर यह टीम अपने पिछले मैच में मिली हार के बाद फिर से अपना फार्म वापस पाना चाहेगी। ओडिशा की टीम अटैक और डिफेंस दोनों में नाकाम रही है। इस टीम ने 9 गोल खाए हैं और इस टीम में पहले गोल खाने की खराब आत है। नौ में से सात गोल इसने पहले हाफ में ही खाए हैं। अटैट में स्टुअर्ट बैक्सटर की टीम सिर्फ तीन गोल कर सकी है और सबसे कम 42 मौके बनाए हैं। ओडिशा को यह सुनिश्चित करना होगा कि वह पहले हाफ में गोल ना खाए क्योंकि इससे उसका मनोबल गिर जाता है। इसके लिए उसे हाईलैंडर्स के फारवर्ड खिलाड़ियों-इदरिस सिला और क्वेसी आपिया पर लगाम लगाए रखना होगा। इन दोनों ने हाईलैंडर्स के लिए दो-दो गोल किए हैं। बैक्सटर ने कहा, हाईलैंडर्स के पास कुछ ही खिलाड़ी ऐसे हैं जो वाकई बहुत तेज हैं।

हम हाईलैंडर्स को एक टीम के तौर पर रोकने की रणनीति के साथ चल रहे हैं। हम साथ ही साथ अपने लिए जगह बनाते हुए गोल करने का भी प्रयास करते रहेंगे। ऐसा नहीं है कि हाईलैंडर्स की चिंताईं इससे अलग हैं। इस टीम ने अब तक छह गोल खाए हैं और इनमें से चार गोल पहले हाफ में हुए हैं। बीते दो मैचों में यह टीम गोल नहीं कर सकी है। हालांकि इसने मौके कई बनाए हैं। इस टीम के कोच गेरार्ड नुस ने कहा कि उनकी टीम ऑल-आउट-अटैक की रणनीति पर चलेगी। नुस ने कहा, हार ने हमें वापसी के लिए कृसंकल्प कर दिया है। हमारे लिए साथ मिलकर एक बार फिर जीत हासिल करने का मौका है। हम कल एक ऑफेंसिव टीम की तरह खेलेंगे और हमारा लक्ष्य तीन अंक हासिल करते हुए खुद को साबित करना होगा।

बैडमिंटन संघ ने चुनी मजबूत टीम, लंबे समय बाद खेलेंगी साइना और सिंधू

नई दिल्ली ।

शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू और साइना नेहवाल सहित भारत की आठ सदस्यीय टीम बीडब्ल्यूएफ (विश्व बैडमिंटन महासंघ) विश्व टूर फाइनल्स सहित बैंकाक में होने वाले आगामी तीन टूर्नामेंटों में भाग लेगी। भारतीय बैडमिंट संघ (बाइ) ने ओलंपिक क्वालीफिकेशन को ध्यान में रखते हुए जनवरी में होने वाले टूर्नामेंटों के लिए सोमवार को आठ सदस्यीय मजबूत टीम का चयन किया। टीम में सिंधू, साइना, बी साई प्रणीत, किदाम्बी श्रीकांत, सात्विकसाइराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, अश्विनी पोनप्पा और एन सिक्की रेड्डी शामिल हैं। भारतीय खिलाड़ी 12 से 17 जनवरी के बीच योनेक्स थाईलैंड ओपन में भाग लेंगे। इसके बाद 19 से 24 जनवरी के बीच टोयोटा थाईलैंड ओपन और 27 से 21 जनवरी के बीच बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स खेला जाएगा। मार्च में कोरोना वायरस लॉकडाउन के कारण कई टूर्नामेंट स्थगित या रद्द कर दिए गए थे।

यह उसके बाद पहला अवसर होगा जबकि श्रीकांत को छोड़कर बाकी अन्य शीर्ष भारतीय खिलाड़ी किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में खेलेंगे।

विश्व के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत ने अक्टूबर में डेनमार्क ओपन में वापसी की थी। एकल के विदेशी कोच अगसु द्वी सांतोसो और पार्क ताइ सांग तथा युगल कोच द्वी क्रिस्टियावान के अलावा सहयोगी स्टाफ भी टीम के साथ बैकाक जाएगा।

यूरोपियन टूर गोल्फ ऑफ द ईयर चुने गए वेस्टवुड

London। ली वेस्टवुड को 2020 का यूरोपियन टूर गोल्फर ऑफ द ईयर का अवार्ड मिला है। [illegible] की रिपोर्ट के मुताबिक यह चौथी बार जब इंग्लैंड के वेस्टवुड इस अवार्ड को अपने नाम करने में सफल रहे हैं। वेस्टवुड ने साल की शुरुआत जनवरी में अबू धाबी चैम्पियनशिप जीत कर की थी। उन्होंने साल का अंत दुबई में जीत के साथ किया। इससे पहले वेस्टवुड 2000 और 2009 में यूरोप के नंबर-1 गोल्फर चुने जा चुके हैं। वह रेस टू दुबई जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने 47 साल, सात महीने और 20 दिन की उम्र में यह टूर्नामेंट जीता था। वेस्टवुड ने कहा, मैं यूरोपियन टूर गोल्फ ऑफ द ईयर अवार्ड पा कर सम्मानित और खुश महसूस कर रहा है क्योंकि मैं जानता हूं कि इस बार इस अवार्ड के लिए प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी थी। उन्होंने कहा, मीडिया का मुझे वोट देने के लिए शुक्रिया और यूरोपियन टूर को बधाई जिसने इस साल मुश्किल समय में पूरा अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित किया।

टेनिस : मरे ने दो महीनों में हासिल की पहली जीत

लंदन। तीन बार के ग्रैंड स्लैम विजेता एंडी मरे ने ब्रिट्स प्रीमियर लीग टेनिस टूर्नामेंट में डेन इवांस को सीधे सेटों में मात दे कर दो महीनों में अपनी पहली जीत हासिल की है। मरे ने इसी साल अक्टूबर में जर्मनी के कोलोन में आयोजित किए गए टूर्नामेंट में से नाम वापस ले लिया था। तब से मरे कोर्ट पर नहीं उतरे थे। इस टूर्नामेंट में अपना पहला मैच खेल रहे पूर्व विश्व नंबर-1 खिलाड़ी ने शानदार फॉर्म दिखाते हुए इवांस को 7-6 (7-5), 6-4 से मात दी कोविड के चलते मरे ने इस साल इस मैच से पहले सिर्फ सात मैच खेले थे, लेकिन कोर्ट पर वह काफी सहज थे और आसानी से अपना खेल खेल रहे थे। चार दिवसीय टूर्नामेंट लॉन टेनिस संघ द्वारा आयोजित किया जा रहा है जो ग्रेट ब्रिटेन में टेनिस की सर्वोच्च संस्था है जिसका मकसद ग्रेट ब्रिटेन के खिलाड़ियों को 2021 सीजन के लिए तैयार करना है।

संक्षिप्त समाचार

लियो ने छठे सेकंड में गोल करके बनाया नया रिकार्ड

मिलान । राफेल लियो ने मैच शुरू होने के बाद छठे सेकेंड में गोल करके इटालियन फुटबॉल लीग सेरी ए में सबसे तेज गोल करने का रिकार्ड बनाया जिससे एसी मिलान ने सास्सुओलो को 2-1 से पराजित किया। मिलान की तरफ से दूसरा गोल अलेक्सिस सीलमेकर्स ने किया। इस जीत से एसी मिलान ने सेरी ए तालिका में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। वह इंटर मिलान से एक अंक आगे है जिसने एक अन्य मैच में स्पेजिया को 2-1 से हराया। पुर्तगाल के लियो ने सेरी ए में सबसे तेज गोल करने का पाओलो पोगी का रिकार्ड तोड़ा जिन्होंने 2001 में पीसेन्जा की तरफ से फियोरेंटिना के खिलाफ आठवें सेकेंड में गोल किया था। मिलान ने ट्वीट किया कि 21 वर्षीय लियो ने 6.2 सेकेंड में गोल दागा। अन्य मैचों में अटलांटा ने रोमा को 4-1 से और लैजियो ने नैपोली को 2-0 से हराया।

अमरीका में फंसे बॉक्सर विकास कृष्ण के कोच, खिलाड़ी ने लगाई मदद की गुहार

स्पोर्ट्स डेस्क । टोक्यो ओलंपिक में कोटा हासिल करने वाले विकास कृष्ण के कोच रॉन सिम्स जूनियर नए वीजा प्रोटोकाल के कारण अमरीका में फंस गए हैं। ऐसे में अब बॉक्सर कृष्ण ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से मदद मांगी है ताकि वह घर लौट सकें और वह ट्रेनिंग कर सकें। मुक्केबाज ने कहा टोक्यो ओलंपिक के लिए अपने कोच के साथ प्रशिक्षण करना बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने विदेश मंत्री जयशंकर को ट्वीट करते हुए लिखा, प्रिय सर, मेरे कोच अमेरिका में फंसे हुए हैं और नए वीजा प्रोटोकॉल के कारण भारत लौटने में असमर्थ है। टोक्यो ओलंपिक के लिए उनकी उपस्थिति मेरे प्रशिक्षण के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि मेरा लक्ष्य भारत को ओलंपिक स्वर्ण जीताना है। क्या आप इसके लिए मदद कर सकते हैं। सितम्बर में स्पोर्ट्स अधारिटी ऑफ इंडिया (साई) ने अमेरिका में ओलंपिक के लिए अपनी तैयारी के एक भाग के रूप में प्रशिक्षित करने के कृष्ण के अनुरोध को मंजूरी दी थी। इसके बाद वह कोच रॉन सिम्स जूनियर के साथ अमेरिका चले गए थे और 30 नवंबर तक वर्जीनिया में अलेक्जेंड्रिया बॉक्सिंग क्लब में ट्रेनिंग की थी। कोरोना वायरस के कारण टोक्यो ओलंपिक को टाल दिया गया है और अब ये अगले साल 23 जुलाई से 8 अगस्त तक होंगा।

जू. महिला विश्वकप में क्वालीफाई करना 2021 का पहला लक्ष्य : महिमा चौधरी

बेंगलुरु ।

भारतीय महिला जूनियर हॉकी टीम की डिफेंडर महिमा चौधरी ने कहा है कि 2021 में टीम का पहला लक्ष्य एफआईएच जूनियर महिला विश्वकप के लिए क्वालीफाई करना है। एफआईएच जूनियर महिला विश्वकप का आयोजन अगले साल पांच से 16 दिसंबर तक दक्षिण अफ्रीका में होना है। मेजबान होने के नाते दक्षिण अफ्रीका इसके लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुका है। महिमा ने कहा- इस साल जो हुआ उसे हमें पीछे छोड़ना होगा। हम इस बारे में नहीं सोच रहे है कि महामारी के कारण हमने इस साल क्या गंवाया लेकिन हम 2021 के बारे में विचार कर रहे हैं। हमारे लिए यह महत्वपूर्ण वर्ष है क्योंकि दिसंबर में जूनियर विश्वकप होना है जिसमें क्वालीफाई करने के लिए हमें अगले वर्ष अप्रैल में होने वाला जूनियर एशिया कप जीतना होगा। इसके लिए क्वालीफाई करना 2021 का हमारा पहला लक्ष्य है। उन्होंने कहा- राष्ट्रीय शिविर में वापस लौटना सुखद है और हम जैविक सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत ट्रेनिंग कर रहे हैं। हम धीरे-धीरे अपनी पुरानी लय वापस हासिल कर रहे हैं और जूनियर एशिया कप के लिए मानसिक और शारीरिक तौर पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। पिछली बार 2015 के एशिया कप में भारत चौथे स्थान पर रहा था और इस वर्ष हम स्वर्ण पदक हासिल कर जूनियर विश्वकप के लिए क्वालीफाई करना चाहेंगे। सीनियर टीम के शिविर में ही ट्रेनिंग करने पर महिमा ने कहा- पिछले कुछ वर्षों से सीनियर टीम ने हमारे लिए कई बेंचमार्क तय किए हैं। उन्होंने विश्व रैंकिंग में भी सुधार किया है और उनसे हमें काफी प्रेरणा मिलती है। सीनियर टीम को करीब से ट्रेनिंग करते देखना जूनियर संभावितों के लिए सीखने का बड़ा अवसर है।

हॉकी रैंकिंग : भारतीय पुरुष चौथे, महिलाएं नौवें नंबर पर रहते हुए करेंगी साल का समापन

लुसाने (स्विटजरलैंड)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच की ओर से जारी ताजा टीम रैंकिंग में चौथे स्थान पर जबकि महिला टीम नौवें नंबर पर कायम है। अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) की ओर से सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार, बेल्जियम की पुरुष टीम और नीदरलैंड्स की महिला टीम शीर्ष पर रहते हुए साल का समापन करेंगी। पुरुषों की रैंकिंग में, मौजूदा विश्व और यूरोपीय चैंपियन बेल्जियम (2496.88 अंक) टॉप पर कायम है जबकि ऑस्ट्रेलिया (2385.70) दूसरे और नीदरलैंड (2257.96) तीसरे तथा भारत (2063.78) चौथे स्थान पर मौजूद हैं। ओलम्पिक चैम्पियन अर्जेंटीना पांचवें, जर्मनी छठे, इंग्लैंड/ग्रेट **Britain** सातवें, न्यूजीलैंड आठवें, स्पेन नौवें और कनाडा की टीम 10वें पायदान पर है। महिला टीम रैंकिंग में नीदरलैंड्स (2631.99 अंक) टॉप पर है। वह दूसरे स्थान पर काबिज अर्जेंटीना (2174.61) से 457 अंक से आगे है। सितंबर में बेल्जियम के खिलाफ प्रो लीग के परिणाम के बाद जर्मनी (2054.28) के साथ तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। इसके अलावा आस्ट्रेलिया चौथे, इंग्लैंड/ग्रेट **Britain** पांचवें और न्यूजीलैंड छठे स्थान के साथ साल का समापन करेंगे। वहीं, स्पेन सातवें, आयरलैंड आठवें और भारतीय महिला हॉकी टीम नौवें नंबर पर मौजूद है। **China** 10वें स्थान पर है।

रहाणे को आगे की सीरीज में अपनी नेतृत्व क्षमता दिखानी होगी : कैफ

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज मोहम्मद कैफ ने कहा कि आस्ट्रेलिया के साथ खेली जा रही चार मैचों की टेस्ट सीरीज के बाकी बचे तीन मैचों में भारत की कप्तानी करने जा रहे अजिंक्य रहाणे को अपनी नेतृत्व क्षमता को साबित करना होगा और टीम को बाहरी दुनिया से दूर रख कर वापसी करनी होगी। कैफ ने ट्वीट किया, फोन बंद कर दीजिए, बाहरी आवाज को खत्म कर दीजिए, एक टीम के तौर पर साथ रहें और आगे की तरफ देखें, भारत के लिए बाहर निकलने का यही एक रास्ता है। रहाणे को टीम को एक साथ लाने की जरूरत है और आगे अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाने की जरूरत है। भारत को एडिलेड टेस्ट में आस्ट्रेलिया के हाथों आठ विकेट की निराशाजनक हार का सामना करना पड़ा था। हार से ज्यादा शर्मनाक बात यह रही थी कि मजबूत भारतीय बल्लेबाजी क्रम दूसरी पारी में महज 36 रनों पर ही ढेर हो गया था। इस मैच के बाद कप्तान विराट कोहली अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए स्वदेश लौट रहे हैं और इसलिए बाकी के बचे तीन मैचों में रहाणे टीम की कप्तानी करेंगे।दूसरा टेस्ट मैच 26 दिसंबर (बॉक्सिंग डे) से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेला जाएगा।

दूसरी पारी में भारत डिफेंसिव बल्लेबाजी नहीं कर सका : गिलक्रिस्ट

नई दिल्ली।

आस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट ने कहा है कि भारतीय टीम एडिलेड में खेले गए पहले टेस्ट मैच की दूसरी पारी में वो एकाग्रता नहीं दिखा सकी जो वो पहली पारी में दिखा पाई थी।

एडिलेड टेस्ट की दूसरी पारी में भारतीय टीम 36 रनों पर ही ढेर हो गई थी जो टेस्ट की एक पारी में उसका न्यूनतम स्कोर है। गिलक्रिस्ट ने मिड-डे अखबार में अपने कॉलम में लिखा है, पहली पारी को देखें तो मुझे लगता है कि चेतेश्वर पुजारा और विराट कोहली द्वारा की गई धीमी बल्लेबाजी, शानदार डिफेंसिव बल्लेबाजी थी। यह भारत दूसरी पारी में नहीं दोहरा सकी।पूर्व विकेटकीपर ने लिखा, पहली पारी में लगा कि भारत रन बनाने के मौके नहीं तलाश रही है, लेकिन कोहली की मास्टरक्लास पारी, साथ में पुजारा और अजिंक्य रहाणे की पारियों ने यह सुनिश्चित किया कि भारत 244 तक पहुंचे। गिलक्रिस्ट का मानना है कि सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ के दोनों पारियों में जल्दी आउट होने से टीम पर अतिरिक्त दबाव आ गया। गिलक्रिस्ट ने लिखा, दोनों पारियों में शॉ के जल्दी आउट होने से टीम बैकफुट पर आ गई। इसका एक और मतलब यह है कि उनकी तकनीक का विश्लेषण किया गया और उनके बल्ले तथा पैड के बीच गैप को पूरी तरह से फायदा उठाया गया। यह उनके लिए चिंता की बात है।

बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज ने लिखा, शॉ बड़े शॉट्स खेलने के भी आदि हैं जो आस्ट्रेलिया में उनके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। वह प्रतिभाशाली युवा हैं, उनका प्रदर्शन चयनकर्ताओं को बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के लिए परेशानी में डाल देगा।

फुटवर्क में आत्मविश्वास की कमी के कारण भारत को हो रही है परेशानी : हसी

एडिलेड । आस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज माइकल हसी का मानना है कि फुटवर्क में आत्मविश्वास में कमी के कारण भारतीय बल्लेबाजों को रन बनाने में परेशानी हो रही है। भारत ने एडिलेड में खेले गए पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में तो किसी तरह 244 रन बना लिए थे लेकिन दूसरी पारी में टीम सिर्फ 36 रन बनाकर ढेर हो गई जो टेस्ट की एक पारी में उसका सबसे कम स्कोर है। इस मैच को आस्ट्रेलिया ने आठ विकेट से जीता। हसी ने ईएसपीएनक्रिकइंफो से बात करते हुए कहा, भारतीय बल्लेबाज आमतौर पर अपना अगला पैर ज्यादा आगे नहीं निकालते जो कई बार आपको आस्ट्रेलियाई पिचों पर करना होता है। उनका पैर आधा आगे निकला हुआ होता है। विराट कोहली शायद एक अपवाद हैं। वह ऐसे बल्लेबाज हैं जो अपने फुटवर्क को लेकर काफी आत्मविश्वासी हैं। उन्होंने कहा, लेकिन जब गेंदबाज गेंद को फुल लैंग्थ पर डालते हैं और तब भारतीय बल्लेबाजों की तरफ से ज्यादा फुटवर्क नहीं होता है तो तब बल्ले का किनारा लगने की संभावना ज्यादा होती है और यही हुआ है।हसी ने कहा कि आस्ट्रेलिया में फुटवर्क की कमी बल्लेबाजों के लिए परेशानी खड़ी कर देती है। बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज ने कहा, आस्ट्रेलिया में, जब पिचें नई होती हैं, आपकी 15-20 गेंदें सबसे ज्यादा मुश्किल होती हैं। एक बार जब आप उससे पार पा लेते हैं तो आपको लगता है कि आप रन कर सकते हैं। लेकिन उन 15-20 गेंदों को खेलना काफी मुश्किल हो सकता है। अगर आपका फुटवर्क सही नहीं है तो आप जल्दी पवेलियन लौट सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सबसे खास सर्दियों का अहसास

हर साल एक नया अहसास है ठंड का मौसम। इस बार ठंड में सर्दी-जुकाम से डरने की जगह इनसे लड़ने के लिए खुद को और अपने परिवार को तैयार कीजिए। ठंड के लिए ऐसे ऊनी कपड़ों का चुनाव कीजिए, जो आपके परिवार को पर्याप्त गर्माहट दे और साथ ही स्टाइलिश लुक भी। कैसे चुनें ऊनी कपड़ों और उनकी देखभाल के दौरान किन बातों को ध्यान में रखें -

सर्दी के मौसम में बदरंग और बोरिंग दिखने के दिन अब लद गए। जाड़े का मौसम भी अब स्टाइलिश हो गया है। ठंड से बचने के लिए अब जरूरी नहीं कि खुद को बोरिंग और गहरे रंग के कपड़ों के हवाले कर दिया जाए। ठंड से खुद को और अपने परिवार को बचाते हुए अब आप स्टाइलिश भी दिख सकती हैं, पर इसके लिए जरूरी है कि अपने कपड़ों का चुनाव आप सोच-समझकर करें और साथ ही गर्मी के कपड़ों और ठंड के कपड़ों के बीच अच्छा तालमेल भी बिठाएं।

लेयरिंग का है मौसम

वो दिन गए जब ठंड के मौसम में अपने कपड़ों की परत को छुपाने की कोशिश करते थे। अब एक साथ दो-तीन कपड़े पहनने और उन्हें दिखाने का ट्रेंड आ गया है। अपने ठंड के कपड़ों को निकालें और तरह-तरह के कॉम्बिनेशन में उन्हें पहनें। जरूरी नहीं है कि ठंड का मौसम आते ही आप अपने गर्मी वाले कपड़ों को अलविदा कह दें। उन्हें भी ठंड के मौसम में अपने गर्म कपड़ों के बीच जगह दें। ठंड के मौसम में फैशनेबल दिखने का मूलमंत्र यही है। अपने जैकेट, कार्डिगन और पुलोवर को अपने कॉटन के शर्ट या ड्रेस के साथ पहनें। एक्सपेरिमेंट करने से नहीं घबराएं। एक्सपेरिमेंट करेंगी, तभी कपड़ों की कई परत के साथ भी औरों से अलग दिखेंगी।

सोच-समझकर चुनें रंग

ठंड के मौसम में हमेशा गहरे और आकर्षक रंग चुनें। पेस्टल रंग के कपड़े ठंड के मौसम को नीरस बना देंगे। ठंड के कपड़े खरीदते वक्त ऐसे रंग चुनें जो इस बदरंग मौसम में रंग भरें। ऐसे स्वेटर या ऊनी कपड़े न चुनें, जिसके पैटर्न में एक साथ ढेर सारे रंग हों। साधारण पैटर्न और एकाध रंग वाले ऊनी कपड़े चुनें। ऑरेंज, गोल्डन ब्राउन, ऑफ व्हाइट या फिर पीले रंग वाले ऊनी कपड़े पहनने से बचें।

एक्सेसरीज भी बदलें

अपनी एक्सेसरीज में बदलाव लाकर आप अपने लुक को बेहद आसानी से बदल सकती हैं। अगर ठंड बहुत ज्यादा है तो पशमीना शॉल को अपने वॉर्डरोब में शामिल करें। साथ ही आप स्टाइलिश मफलर और फर वाले स्टोल से भी स्टाइल स्टेटमेंट बना सकती हैं। हैट्स और ऊनी टोपी भी ठंड के मौसम में आपको स्टाइलिश लुक देंगे और ठंड से भी बचाएंगे।

फ्लोरल प्रिंट्र से बनाएं दूरी

फ्लोरल प्रिंट के कपड़े गर्मी के मौसम में ही ज्यादा अच्छे लगते हैं। अगर आपको ये प्रिंट बहुत ही ज्यादा पसंद हैं और आप ठंड में भी इन्हें पहनना चाहती हैं तो ठंड के मौसम में थोड़े गहरे प्रिंट वाले कपड़े अपने लिए चुनें। ठंड के मौसम के आपके वॉर्डरोब में ये गहरे फ्लोरल पिंट्र वाले कपड़े आसानी से घुल-मिल जाएंगे। अगर आप फ्लोरल प्रिंट्र वाले कपड़े पहन ही रही हैं तो पूरी बाजू वाले कपड़े चुनें। इससे फ्लोरल प्रिंट का असर कुछ कम हो जाएगा।

बूट्स से बनें फैशनेबल

गर्मियों के फुटवियर को कुछ माह आराम दें और जूते और बूट्स को अपने वॉर्डरोब में शामिल करें। अपनी गर्मी के मौसम के कपड़े को ठंड वाला लुक देने के लिए इससे बेहतर तरीका कुछ और नहीं। जींस और कार्डिगन के साथ बूट्स पहनें और ठंड से बचने के साथ-साथ इस मौसम के अनुकूल लुक भी पाएं।

बच्चों जैसे मुलायम, उनके कपड़े

ठंड से मासूम बच्चों को बचाकर रखना आसान काम नहीं है। बच्चों के लिए ठंड का मौसम सेहत भरा रहे, इसके लिए जरूरी है कि इस सर्द मौसम में भी वो पूरी तरह से गर्म रहें। बच्चों के लिए ठंड के कपड़ों का चुनाव करते वक्त इसलिए हमेशा फैशन और ट्रेंड की जगह उनके आराम और कपड़ों की गर्माहट का ध्यान रखें। बच्चों के लिए हमेशा मुलायम और आरामदायक ऊनी कपड़े चुनें। कपड़े का फैब्रिक ऐसा हो जो उनकी मुलायम त्वचा को किसी प्रकार का नुकसान न पहुंचाए। बच्चों के ऊनी कपड़े हमेशा थोड़े हल्के रंग के चुनें ताकि आपको आसानी से पता चल सके कि वो कब गंदे हो गए हैं और उन्हें साफ करने की जरूरत है। बच्चे को कभी भी एक साथ ढेर सारे कपड़े न पहनाएं। बहुत ज्यादा कपड़े पहनाने पर उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो सकती है। बच्चे के लिए ढीली फिटिंग वाले और ढेर सारे बटन वाले ऊनी कपड़े चुनें ताकि इन कपड़ों को पहनाते और उतारते वक्त आपको और आपके बच्चे दोनों को परेशानी न हो। बच्चे के लिए पूरी बाजू वाले ऊनी कपड़े चुनें ताकि उनके हाथ भी गर्म रहें। अगर ठंड बहुत ज्यादा हो तो बच्चे के कान में रुई के फाहे डाल दें और ऊनी टोपी या स्कार्फ पहनाएं ताकि बच्चे का सिर भी गर्म रहे। कभी भी बच्चे को सबसे पहले ऊनी कपड़ा न पहनाएं। पहले नीचे कोई सूती कपड़ा पहनाएं और उसके ऊपर से उसे ऊनी कपड़ा पहनाएं। बच्चे की त्वचा में किसी तरह की एलर्जी न हो, इसलिए ठंड के मौसम में उसके पूरे शरीर में हर दिन विंटर क्रीम लगाएं। ठंड बहुत ज्यादा हो, तब भी सोते वक्त बच्चे को ढेर सारे कपड़े न पहनाएं और न ही उनके ऊपर ढेर सारे कंबल डालें। बच्चे के पैरों को गर्म रखने के लिए उनके लिए ऐसे पाजामे खरीदें, जिनके साथ जुराबें जुड़ी हुई रहती हैं। बच्चे के हाथ भी जल्दी ठंडे हो जाते हैं, इसलिए उनके हाथों को गर्म रखने के लिए उन्हें ग्लव्स पहनाना न भूलें।

खिल उठेंगे आपके ऊनी कपड़े

- ऊनी कपड़ों की ओर बैक्टीरिया और धूल-मिट्टी जल्दी आकर्षित होते हैं, इसलिए अपने जैकेट और कोट को नियमित अंतराल पर ब्रश से साफ करें। इससे आपके सर्दियों के कपड़े न सिर्फ साफ रहेंगे, बल्कि किसी तरह की स्किन एलर्जी और रैशेज होने की आशंका भी नहीं रहेगी।
- ठंड के कपड़ों को बीच-बीच में धूप में सुखाएं। पर ध्यान रहे कि सूरज की तेज रोशनी आपके ऊनी कपड़ों पर सीधी न पड़े। ऐसा करने से आपके ऊनी कपड़े बदरंग हो जाएंगे। वहीं धूप में ऊनी कपड़ों को सुखाने से उसकी नमी गायब हो जाएगी और साथ ही सभी कीटाणु भी मर जाएंगे। ऊनी कपड़े को धूप में सुखाने से वो न सिर्फ आपको ज्यादा गर्माहट देंगे, बल्कि उन्हें पहनने पर भी आपको ज्यादा अच्छा महसूस होगा।
- अपने भारी-भरकम स्वेटर को वॉर्डरोब में लटकाकर नहीं रखें। भारी स्वेटर को लटकाकर रखने से स्वेटर की फिटिंग बिगड़ जाती है। साथ ही हैंगर से स्वेटर को लटकाकर रखने से कंधे वाले हिस्से के जल्दी फटने की आशंका बढ़ जाती है।
- ऊनी कपड़े बेहद नाजुक होते हैं। लंबी उम्र देने के लिए ऊनी कपड़ों को धोने के लिए हमेशा माइल्ड साबुन या डिटर्जेंट और गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें। माइल्ड साबुन और डिटर्जेंट के इस्तेमाल से आपके ऊनी कपडमें की चमक और उनका वास्तविक लुक बरकरार रहेगा। गुनगुना पानी आपके ऊनी कपड़ों में छिपे कीटाणुओं को मारेगा और उसकी स्वच्छता को बरकरार रखेगा।
- स्वेटर और कार्डिगन में अकसर रोंए हो जाते हैं। ये रोंए स्वेटर और किसी अन्य वस्तु के बीच रगड़ खाने से होते हैं। ये रोंए आपके नए और स्टाइलिश स्वेटर को भी पुराना और गंदा लुक दे सकते हैं। इन रुंओं को हटाने के लिए छोटे रेजर का इस्तेमाल करें और अपने स्वेटर को फिर से नया लुक दें।
- अपने स्वेटर पर लगे दाग-धब्बों को हटाने के लिए कभी भी उन पर ब्लीच का इस्तेमाल न करें। ब्लीच के इस्तेमाल से आपका स्वेटर बदरंग हो जाएगा। कभी भी ऐसे डिटर्जेंट में स्वेटर न धोएं, जिसमें ब्लीच हो।
- एक ही स्वेटर को तीन दिन से ज्यादा लगातार न पहनें। ऐसा करने से स्वेटर का शेप बिगड़ जाता है। साथ ही आपका स्वेटर जल्दी खराब और पुराना भी हो जाएगा।

ठंड में बच्चा न हो पस्त

अचानक मौसम परिवर्तन का असर सभी पर होता और इससे छोटे बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सर्दी, जुकाम और गले में इंफेक्शन के अलावा छोटे बच्चों को ये परेशानियां सबसे ज्यादा होती हैं -

रोटा वायरल डायरिया - इसमें बच्चे को दस्त, उल्टी और बुखार एक साथ होता है। बच्चे के शरीर में पानी की मात्रा कम हो जाती है और बुखार के कारण वह सुस्त और चिड़चिड़ा हो जाता है। बच्चा कभी-कभी बहुत कमजोर भी हो जाता है।

एलर्जी और अस्थमा - इस मौसम में बच्चों को सांस संबंधी परेशानी भी होती है। बंद नाक और गले में जकड़न के साथ नाक और आंख से पानी भी गिरता रहता है। तेज हवा और प्रदूषण से सांस लेने में दिक्कत आने लगती है।

आंखों में इंफेक्शन - इस मौसम में आंखों में भी इंफेक्शन होने लगता है। आंखों की पलकें रात में चिपक जाती हैं और सुबह बच्चे को आंख खोलने में परेशानी होती है।

त्वचा में लाल दाने - सर्दी में त्वचा में रैशेज और दाने की समस्या प्राय- छोटे बच्चों में हो जाती है। इसका कारण एलर्जी और हार्मोन में बदलाव के साथ ठंडी हवा भी है।

निमोनिया - यह ठंड के मौसम में बच्चों को होने वाली सबसे आम समस्या है। इसमें बच्चे को तेज बुखार होता है और साथ ही उसका सिर बहुत गर्म रहता है। कभी-कभी बच्चे के लंग्स में भी दिक्कत हो जाती हैं।

क्या है कारण

ठंड में प्रतिरोधक क्षमता का कम होना - सर्दी के मौसम में बच्चों के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता सामान्य दिनों से कम हो जाती है। इसलिए किसी भी प्रकार का मौसम परिवर्तन का असर तुरंत बच्चे पर पड़ता है।

बड़ों की लापरवाही - अक्सर बड़े बच्चों को ठंड के मौसम में आलस के कारण हाथ धोए बिना ही गोद में उठा लेते हैं। ठंडे हाथ भी उन्हें लगाते हैं। कीटाणु का ध्यान नहीं रखते। इस वजह से उन्हें इंफेक्शन का खतरा बढ़ता है।

किसी भी चीज को मुंह में लेना - अक्सर बच्चे कलम के कैप या नीचे गिरी हुई चीजों को मुंह में लेते हैं जिससे उन्हें पेट में दर्द या दस्त की समस्या हो जाती है।

नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखना - आम मौसम की अपेक्षा ठंड में बच्चे ज्यादा पेशाब करते हैं। अगर नैपी के गीलेपन का ध्यान न रखा जाए तो बच्चों को न केवल ठंड लग जाती है बल्कि उनके शरीर के आंतरिक हिस्से में सूजन और इंफेक्शन भी हो सकता है।

कमरे के तापमान का ध्यान न रखना - ठंड में बच्चे को अधिक गर्म कमरे में ना रखें। कमरे का तापमान सामान्य होना चाहिए। अधिक गर्म वातावरण से अगर बच्चा सामान्य तापमान में जाता है तो उसे तुरंत सर्दी असर करती है।

कैसे करें बचाव

सफाई का रखें ध्यान - धूल, धुएं और गंदगी से छोटे बच्चों को दूर रखें। इससे उन्हे सांस की समस्या के साथ दस्त भी हो सकती है। घर की सफाई का पूरा ध्यान रखें।

नहलाना कम करे - रोज नहलाने के बजाय हर दूसरे दिन छोटे बच्चों को गर्म पानी में सॉफ्ट एंटीबैक्टीरियल लिक्विड डालकर उसमें नर्म तौलिया भिगोकर उनका शरीर साफ कर दें।

गर्म कपड़े पहनाएं - जैसे ही मौसम बदले, बच्चे को गर्म कपड़े पहनाना शुरू कर दें। हल्की ठंड को नजर अंदाज ना करें और बच्चे को हमेशा मोजे पहना कर रखें।

मालिश के लिए गर्म तेल का प्रयोग करें - यूं तो मालिश बहुत जरूरी नहीं है, लेकिन यदि आप मालिश कर रही हैं तो इसके लिए गर्म तेल का प्रयोग करें।

संभव हो तो थोड़ी देर धूप में रखे - अगर आपके घर में धूप आती हो तो बच्चे को गर्म कपड़े पहना कर थोड़ी देर के लिए धूप में रखें। उसे ताजी हवा और विटामिन डी दोनों मिलेंगे।

ठंडी चीजें खाने को न दें - अगर आपका बच्चा 7 माह से अधिक का है और वह खाना खाता है, तो उसे ठंडी चीजें न खिलाएं और साथ ही उसे बासी खाना या ठंडा खाना भी न दें।

बेहतर क्वालिटी के स्वेटर पहनाएं - स्वेटर हमेशा अच्छी क्वालिटी का पहनाएं, क्योंकि वूलन से कभी-कभी त्वचा में एलर्जी हो जाती है।

बुजुर्ग और बच्चे ठंड के मौसम में सबसे ज्यादा परेशान होते हैं। बुजुर्ग तो अपनी तकलीफ बता सकते हैं, पर बहुत छोटे बच्चे तो वो भी नहीं कर सकते। अगर आप ठंड की शुरुआत से ही सावधानी बरतें तो आपका बच्चा सर्दियों में भी मुस्कुराता रहेगा। छोटे बच्चों की ठंड में कैसे देखभाल करें, बता रहे हैं शिशु एवं बालरोग विशेषज्ञ

वेडिंग लुक तालमेल है जरूरी

इन दिनों ज्यादातर वुड बी कपल अपनी शादी के मौके पर कॉम्प्लिमेंट्री लुक अपना रहे हैं। कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक दूल्हे दुलहन के बीच की जबर्दस्त केमिस्ट्री को दर्शाता है। इस लुक को क्रिएट करने के कई तरीके हैं जिन्हें वुडबी कपल्स अपनी पसंद के हिसाब से अपना सकते हैं।

बहुत बुरी कुक हूं। लेकिन तुम्हारी कुकिंग का जवाब नहीं है। तुम ओवर इमोशनल हो और मैं प्रैक्टिकल। एक लाइन में कहूं तो हम दोनों एक दूसरे को बैलेंस करते हैं। हम परफेक्ट लाइफ पार्टनर हैं क्योंकि हमारा आपसी तालमेल बेजोड है। मैं चाहती हूं कि यही तालमेल हमारे वेडिंग डे पर हमारे लुक में भी नजर आए। यह तर्क सामने रखकर अंशिका ने अपने मंगेतर अंश को कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग डे लुक क्रिएट करने के लिए राजी कर ही लिया। अंशिका और अंश की तरह इन दिनों ज्यादातर वुड बी कपल अपनी शादी के मौके पर कॉम्प्लिमेंट्री लुक अपना रहे हैं। कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक दूल्हे दुलहन के बीच की जबर्दस्त केमिस्ट्री को दर्शाता है। इस लुक को क्रिएट करने के कई तरीके हैं जिन्हें वुडबी कपल्स अपनी पसंद के हिसाब से अपना सकते हैं।

कलर केमिस्ट्री

जो कपल्स जटिल की जगह सहज अभिव्यक्ति को तरजीह देते हैं, उन्हें रंगों पर आधारित कॉम्प्लिमेंट्री लुक चुनना चाहिए। इस तरह की मैचिंग में कलर व्हील की मदद ली जा सकती है। व्हील में एक-दूसरे के सामने आने वाले रंग एक दूसरे को कॉम्प्लिमेंट करते हैं। जैसे, ऑलिव-मरून, रस्ट-मिडनाइट ब्ल्यू और वायलेट-ऑरेंज आदि। इन रंगों के बीच जबर्दस्त कंट्रास्ट फैक्टर होता है जिसके चलते इनका कॉम्बिनेशन बेहद वाइब्रेंट लगता है। ऐसे में दूल्हा-दुलहन इन कॉम्प्लिमेंट्री कलर्स के परिधान पहन सकते हैं।

काल आधारित

इन दिनों किसी विशेष काल पर आधारित वेडिंग वेयर पहनने का चलन जोरों पर है। वुडबी कपल्स मुगल काल, विक्टोरियन काल या विंटेज काल पर आधारित परिधान पहन सकते हैं। जैसे विंटेज काल में प्रचलित रंग और एंब्रॉयडरी दुलहन के लहंगे और दूल्हे के कुर्ते में नजर आए। लेकिन इस तरह की मैचिंग करते समय कपल्स को ध्यान रखना चाहिए कि वह किसी काल के दो या तीन फीचर्स को ही अपने परिधानों के माध्यम से अभिव्यक्त करें। बहुत ज्यादा फीचर्स की अभिव्यक्ति उन्हें वेडिंग कपल्स की जगह किसी ऐतिहासिक नाटक का पात्र बना देगी।

वर्क या प्रिंट आधारित

परिधानों पर किए गए वर्क या प्रिंट में तालमेल बैठाना भी ब्राइड और ग्रूम के लुक में कोऑर्डिनेशन का एक बेहतरीन तरीका है। आप विभिन्न तरीकों से एंब्रॉयडरी या प्रिंट के आधार पर यह तालमेल बैठा सकते हैं। जैसे, दुलहन के दुपट्टे और दूल्हे के स्टोल की एंब्रॉयडरी एक जैसी रख सकते हैं। इसी तरह दुलहन के लहंगे के पैनल का प्रिंट दूल्हे की पगडी के प्रिंट में भी नजर आ सकता है। या दूल्हे और दुल्हन के परिधानों के बॉर्डर में एक कॉमन प्रिंट हो सकता है।

एक्सेसरीज आधारित

कॉम्प्लिमेंट्री एक्सेसरीज पहनना भी ब्राइड और ग्रूम के लुक में सामंजस्य बैठाने का एक खास तरीका है। आप चाहें तो कॉम्प्लिमेंट्री एन्गेजमेंट रिंग्स, ब्राइडल वॉच-ग्रूम कफलिंग या ब्राइडल ईयररिंग्स-ग्रूम कफलिंग्स जैसे कॉम्बिनेशन कैरी कर सकती हैं। ब्राइड और ग्रूम की ज्यूलरी में कॉम्प्लिमेंट्री कलर स्टोन का इस्तेमाल भी अच्छा लगेगा।

विशेष टिप्स

- ब्राइड और ग्रूम को अपनी पसंद के हिसाब से कॉम्प्लिमेंट्री वेडिंग लुक तय करना चाहिए।
- आप कॉम्प्लिमेंट्री लुक क्रिएट करने के दो तरीकों को कंबाइन भी कर सकते हैं। जैसे कॉम्प्लिमेंट्री कलर्स और एंब्रॉयडरी वाले परिधान ट्राई कर सकते हैं। इसी तरह किसी एक काल पर आधारित परिधानों के साथ आप कॉम्प्लिमेंट्री ज्यूलरी भी पहन सकते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्रिटेन में नए कोरोना का खौफ, भारत ने 31 दिसंबर तक सभी फ्लाइट्स पर लगाई रोक

नेशनल डेस्क।

ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नए प्रकार (स्ट्रेन) के सामने आने की खबर के बाद भारत सरकार भी एक्टिव हो गई है। भारत सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए ब्रिटेन से आने वाली सभी उड़ानों पर 31 दिसंबर तक रोक लगा दी है। नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने बताया कि 31 दिसंबर की रात 11 बजकर 59 मिनट तक ब्रिटेन से या ब्रिटेन होकर आने वाली सभी उड़ानों पर बैन रहेगा। यह प्रतिबंध 22 दिसंबर की रात 12 बजकर 1 मिनट से प्रभावी होगा। जो उड़ानें ब्रिटेन से उड़ान भर चुकी हैं या देश से रवाना हो चुके जिन भारतीय विमानों को ब्रिटेन से या वहां के रास्ते वापस आना है उनके लिए 22 दिसंबर की रात 11 बजकर 59 मिनट तक देश में उतरने की अनुमति होगी। इन विमानों में आने वाले सभी यात्रियों और क्रू की अनिवार्य रूप से हवाई अड्डे पर ही **RT-PCR** जांच की जाएगी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने ब्रिटेन में वायरस के नए प्रकार के सामने आने पर चर्चा करने के लिए अपने संयुक्त निगरानी समूह की सोमवार को तत्काल बैठक बुलाई। बैठक के बाद यह फैसला लिया गया कि ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों पर रोक लगाई जाए। वहीं ब्रिटेन का कहना है कि इस नए प्रकार की वजह से देश में संक्रमण के मामले बढ़े हैं। बता दें कि भारत से पहले कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रिया, आयरलैंड

और बुल्गारिया भी ब्रिटेन की यात्रा पर पाबंदी की घोषणा कर चुके हैं। साथ ही ब्रिटेन की सारी फ्लाइटों पर पाबंदी लगा दी गई है।

ब्रिटेन में मिला कोरोना का नया स्ट्रेन अधिक घातक नहीं: डा. विवेक मूर्ति

लॉस एंजलिस:

भारतीय मूल के अमेरिकी डॉक्टर विवेक मूर्ति (43) ने कहा है कि ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जिससे यह सिद्ध हो सके कि कोरोना वायरस का ब्रिटेन में पाया गया नया और अधिक संक्रामक रूप ज्यादा घातक है। गौरतलब है कि नव निर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मूर्ति को सर्जन जनरल पद के लिए चुना है। मूर्ति ने कहा कि यह मानने का कोई कारण उपलब्ध नहीं है कि विकसित किए जा चुके कोरोना वायरस के टीके वायरस के नए प्रकार पर प्रभावी नहीं होंगे। उन्होंने कहा, ब्रिटेन से जो खबर आ रही है उसके मुताबिक वायरस का एक नया स्ट्रेन (प्रकार) पाया गया है जो कि उस वायरस से अधिक संक्रामक है जो हमने पहले देखा है। डा. मूर्ति ने कहा कि हालांकि ऐसा प्रतीत होता है कि यह अधिक संक्रामक है, लेकिन हमारे पास अभी तक ऐसे साक्ष्य मौजूद नहीं हैं जिनसे यह सिद्ध किया जा सके कि यह संक्रमण के शिकार व्यक्ति के लिए अधिक घातक है। इंग्लैंड के कुछ हिस्सों में कोरोना वायरस का एक नया प्रकार सामने आया है जो तेजी से फैल रहा है जिसके चलते कई देशों ने ब्रिटेन की यात्रा पर प्रतिबंध लगा दिया है। माना जा रहा है कि वायरस का यह प्रकार या तो ब्रिटेन में किसी मरीज में उत्पन्न हुआ होगा या किसी ऐसे देश से आया हो सकता है जहां कोरोना वायरस के म्यूटेशन पर निगरानी रखने की क्षमता कम है। डा. मूर्ति ने कहा, अगर आप घर पर हैं और यह खबर सुन रहे हैं तो एहतियात बरतने के हमारे वह उपाय नहीं बदलेंगे जिनसे वायरस के प्रसार को रोका जा सकता है। कोविड के प्रसार को रोकने के लिए मास्क लगाना, सामाजिक दूरी रखना, हाथ धोना अब भी कारगर हैं।

मूर्ति अमेरिका के हडर्सफील्ड में प्रवासी भारतीय माता पिता के घर में 1978 में पैदा हुए थे । उनका परिवार भारत के कर्नाटक से अमेरिका के न्यूफाउंडलैंड में जाकर बस गया था जहां उनके पिता ने डिस्ट्रिक्ट मेडिकल आफिसर के रूप में कार्य किया।

यूएई ने स्वीकार की पाकिस्तान पर वीजा प्रतिबंध की बात, कुरैशी बोले-जल्द सुलझेगा मुद्दा

दुबई:

संयुक्त अरब अमीरात (**UAE**) के विदेश मंत्री ने पाकिस्तान के लोगों पर वीजा प्रतिबंध संबंधी बात पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार की । **UAE** की सरकारी संवाद समिति ने बताया कि अमीरात के विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायेद अल नाहयन ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष के साथ बैठक के बाद ''कोविड-19 संक्रमण के कारण वीजा जारी करने पर लागू हालिया प्रतिबंध के अस्थायी होने पर जोर दिया। हालांकि उन्होंने वीजा निलंबन के बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। ऐसा बताया जा रहा है कि **UAE** ने लेबनान, केन्या, ईरान, सीरिया, अफगानिस्तान और यमन जैसे एक दर्जन मुस्लिम बहुल देशों पर ऐसे समय में प्रतिबंध लगाए हैं, जब इजराइल के साथ संबंधों को सामान्य करने संबंधी समझौते के बाद इजराइली पासपोर्ट पर लोग देश में आ रहे हैं। दुबई स्थित 'अरेबियन नाइट्स टूअर्स के ट्रेवल एजेंट सईद मोहम्मद ने सोमवार को कहा कि पाकिस्तान और पश्चिम एशिया के अन्य देशों के परिवारों को वीजा संबंधी मंजूरी मिलने की दर में पिछले कुछ सप्ताह में बढ़ोतरी हुई है, लेकिन इन देशों से अकेले आने की इच्छा रखने वालों और युवाओं को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही। अटकलें लगाई जा रही है कि इस प्रतिबंध का संबंध सुरक्षा या वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी लोगों के देश में रुकने संबंधी चिंताओं से हो सकता है। उल्लेखनीय है कि **UAE** में विदेशियों की संख्या स्थानीय लोगों से अधिक है। उधर, पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने शुक्रवार को अबू धाबी में एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि वह उम्मीद करते हैं कि **UAE** द्वारा पिछले महीने लागू किए गए अचानक वीजा प्रतिबंध के मुद्दे को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि **UAE** में पाकिस्तानी समुदाय न **UAE** की प्रगति और विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और इसे स्वीकार किया जाता है .

चीन की डिजिटल दादागिरी: तियानमेन नरसंहार पर वर्चुअल बैठकें कराईं रद्द , US ने करवाया मामला दर्ज

बीजिंग:

विस्तारवादी सोच व नीतियो के चलते दुनिया के कई देशों की जमीन पर अवैध कब्जा जमा चुका चीन अब डिजिटल धौंस पर उतर आया है। चीन की शी जिनपिंग सरकार ने अब तियानमेन चौक नरसंहार की यादें कुचलने के लिए डिजिटल दादागिरी दिखाई और अमेरिका से जूम पर आयोजित होने वाली वर्चुअल बैठकों को अपने प्रभाव का इस्तेमाल करके रद्द करवा दिया। इस मामले में अमेरिकी संघीय अदालत में जूम के एक अधिकारी शिंजियांग जिन (**Xinjiang Jin**) के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दायर किया गया है। इस मुकदमे से पुष्टि हो रही है कि चीन विश्व भर में डाटा के उपयोग पर निगरानी भी रख रहा है। **FBI** के निदेशक क्रिस्टोफर व्रे ने कहा कि चीन सरकार अपना एजेंडा विश्व पर थोपने के लिए अपनी कंपनियों को इस्तेमाल कर रही है। जूम कंपनी ने कहा कि उसने शिंजियांग को निकाल दिया है। संबंधित कर्मचारियों को जांच होने तक छुट्टी पर भेजा गया है। शिंजियांग चीन में आजाद है, यहां की सरकार और अमेरिका में वैसे भी कोई प्रत्यर्पण संधि नहीं है। अमेरिकी न्याय विभाग ने कहा कि 39 वर्षीय शिनजियांग जिन को जनवरी 2019 से अपनी कंपनी के सिस्टम को सेंसर करने के लिए साजिश रचने का दोषी पाए जाने पर 10 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। अधिकारी पर आरोप है कि न्यूयॉर्क के कुछ लोगों के आधिकारिक अकाउंट सिर्फ इसलिए प्रतिबंधित कर दिए गए क्योंकि वे तियानमेन चौक नरसंहार के याद में वर्चुअल बैठकें आयोजित कर रहे थे। आरोप है उन्होंने ऐसा चीन की सरकार के कहने पर किया। हालांकि चीन से ही काम कर रहे शिंजियांग ने इन बैठकों को रद्द करवाने के बहाने अलग-अलग बताए। उदाहरण के लिए शिंजियांग ने पहले फर्जी नाम और आतंकियों व बच्चों की पोर्नोग्राफी वाली तस्वीरें प्रोफाइल में प्रयुक्त कर चार जून को हुई इन बैठकों में हिस्सा लिया।

संक्षिप्त समाचार

ताइवान के संवेदनशील स्ट्रेट से गुजरा चीनी युद्धपोत, तइपे ने पीछा करने के लिए भेजे लड़ाकू विमान

इंटरनेशनल डेस्क: ताइवान की अमेरिका के साथ बढ़ती निकटता से चीन चिढ़ा बैठा है और ताइवान की सीमाओं में घुसपैठ से बाज नहीं आ रहा है।अब चीन का नया विमानवाहक युद्धपोत शैनडॉन्ग ताइवान के संवेदनशील स्ट्रेट में घुस गया। लेकिन जैसे ही चीनी युद्धपोत संवेदनशील स्ट्रेट से होकर गुजरा वैसे ही ताइवान ने उसका पीछा करने के लिए अपने जल क्षेत्र में युद्धपोत सक्रिय कर दिए और लड़ाकू विमान उड़ा दिए। यह सब रविवार को ताइवान स्ट्रेट से अमेरिकी विध्वंसक बेड़े के गुजरने के एक दिन बाद हुआ। चीनी युद्धपोत के ताइवान स्ट्रेट से गुजरने यह कोई पहली घुसपैठ नहीं है लेकिन इस समय जबकि उसका ताइवान के साथ तनाव चल रहा है, तब इस पर ज्यादा गौर किया जा रहा है। चीन का दावा है कि ताइवान उसका हिस्सा है जबकि ताइवान इसे नकारता रहा है। ताइवान ने इस गतिविधि पर विरोध जताया है जबकि चीन ने कहा है कि वह अपनी संप्रभुता की मजबूती के लिए ऐसा करता है। चीन ने कहा है कि ताइवान स्ट्रेट से उसके युद्धपोत नियमित गश्त के दौरान गुजरते हैं, यह कोई विशेष बात नहीं है। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा है कि शैनडॉन्ग चार अन्य युद्धपोतों के साथ ताइवान स्ट्रेट से गुजरा। उसके पास होने की सूचना पर ताइवान की नौसेना ने तत्काल अपने छह युद्धपोत और आठ लड़ाकू विमान स्ट्रेट के लिए रवाना किए लेकिन तब तक चीनी बेड़ा इलाके से बाहर जा चुका था। शैनडॉन्ग एक साल पहले ही चीन की नौसेना में शामिल हुआ है। यह चीन का दूसरा विमानवाहक पोत है। ताइवान स्ट्रेट ताइवान की सीमा से सटा समुद्री क्षेत्र है। इससे पहले अमेरिकी युद्धपोत ने शनिवार को ताइवान स्ट्रेट का दौरा किया था।

हवाई में किलाऊआ ज्वालामुखी फिर फूटा

न्यूयार्क: हवाई के बिग आईलैंड पर स्थित किलाऊआ ज्वालामुखी फूट पड़ा है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण के अनुसार ज्वालामुखी रविवार देर रात में फटा। यह ज्वालामुखी हवाई वोलकेनोज नेशनल पार्क में स्थित है। अमेरिका के हवाई द्वीप पर दुनिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में से एक किलुआ ज्वालामुखी अपना विकराल रूप लेता जा रहा है। यह बीते 4 मई को भी फटा था। तब इसमें से 150 फीट तक लावा उछल रहा था। इस ज्वालामुखी के फटने से आसपास के करीब 10 हजार से ज्यादा लोग प्रभावित होते हैं।

ऑस्ट्रेलियाई कोयले पर प्रतिबंध लगाकर मुसीबत में फंसा चीन, झेलना पड़ रहा भारी नुकसान

बीजिंग।

चीन द्वारा ऑस्ट्रेलियाई कोयले पर लगाए गए प्रतिबंध का खमियाजा खुद उसी को झेलना पड़ रहा है। ऑस्ट्रेलियाई कोयले पर बैन के चीन को औद्योगिक इकाइयों को ब्लैकआउट का सामना करना पड़ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप विदेशी ऑर्डर पूरी न होने के कारण चीनी उद्योगपति नुकसान झेलने को मजबूर हैं।बता दें कि कोरोना के बाद से ही चीन और ऑस्ट्रेलिया के बीच रिश्तों में भारी तनाव देखने को मिल रहा है। कोरोना की उत्पत्ति की जांच की मांग करने के बाद से ही ऑस्ट्रेलिया चीन के आर्थिक हमलों को झेल रहा है।

इस आर्थिक युद्ध के दौरान चीन ने पहले ही ऑस्ट्रेलिया से आयात होने कोयला, गेंहू, चीनी, शराब और लकड़ी पर पाबंदी लगाई हुई है। इस 'अवैध' पाबंदी के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई सरकार अब विश्व व्यापार संगठन में चीन के खिलाफ मोर्चा खोलने जा रही है। बेशक इस व्यापार युद्ध में ऑस्ट्रेलिया को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है, लेकिन अब मीडिया रिपोर्ट्स इस बात की ओर इशारा कर रही हैं कि खुद **China** में भी इस व्यापार युद्ध के कई नकारात्मक प्रभाव दिखना शुरू हो गए हैं। इस 'अवैध' पाबंदी के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई सरकार अब विश्व व्यापार संगठन में चीन के खिलाफ मोर्चा खोलने जा रही है। बेशक इस व्यापार युद्ध में ऑस्ट्रेलिया को बड़ा आर्थिक नुकसान हुआ है, लेकिन अब मीडिया रिपोर्ट्स इस बात की ओर इशारा कर रही हैं कि खुद **China** में भी इस व्यापार युद्ध के कई नकारात्मक प्रभाव दिखना शुरू हो गए हैं।

एशिया टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के उच्च गुणवत्ता वाले कोयले पर पाबंदी लगाने के बाद चीन के उद्योगों और चीन के एनर्जी सेक्टर पर इसका बड़ा दुष्प्रभाव पड़ा है एक रिपोर्ट के मुताबिक कोयले पर पाबंदी के बाद चीन के हुनान और जेझियांग प्रान्तों में बिजली की भारी कमी हो गयी है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिये भारत में हैजा फैलने का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है- अध्ययन

नयी दिल्ली, पृथ्वी का चक्कर लगा रहे उपग्रहों से प्राप्त जलवायु के आंकड़ों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक के प्रयोग से भारत के तटीय क्षेत्रों में हैजा महामारी फैलने का 89 पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। एक अध्ययन में यह जानकारी सामने आई। 'इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनवायर्नमेंटल रिसर्च एंड पब्लिक हेल्थ' नामक शोध पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में पहली बार यह बताया गया है कि समुद्र की सतह पर मौजूद नमक की मात्रा से हैजा फैलने का पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। ब्रिटेन स्थित 'यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी जलवायु कार्यालय' और 'प्लाइमाउथ समुद्री प्रयोगशाला' के अनुसंधानकर्ताओं ने उत्तरी हिंद महासागर के आसपास हैजा के फैलने पर अध्ययन किया और पाया कि 2010-16 के दौरान वैश्विक स्तर पर हैजा के जितने मामले सामने आए उनके आधे से अधिक मामले इस क्षेत्र में सामने आए। अनुसंधानकर्ता एमी कैंपबेल ने कहा, ÷इस मॉडल से संतोषजनक नतीजे मिले हैं और हैजा से संबंधित विभिन्न आंकड़ों के उपयोग से इसमें बहुत सारी संभावनाएं हैं।÷ हैजा, पानी से फैलने वाला रोग है जो दूषित जल पीने या खाना खाने से फैलता है। इसके लिए 'विब्रियो कालरी' नामक बैक्टीरिया जिम्मेदार है जो दुनिया के कई तटीय इलाकों विशेषकर घनी आबादी वाले उष्ण कटिबंधीय क्षेत्रों में पाया जाता है। यह बैक्टीरिया गर्म और हल्के नमकीन पानी में जीवित रह सकता है। अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि वैश्विक ऊष्मा और मौसम में आ रहे बदलाव के कारण हैजा को फैलने में मदद मिल रही है। वैश्विक स्तर पर प्रतिवर्ष 13 लाख से 40 लाख लोग इस महामारी की चपेट में आते हैं जिनमें से 1,43,000 लोगों की मौत हो जाती है। उन्होंने कहा कि एक समयसीमा के भीतर हैजा के नए मामलों और उस पर पड़ने वाले पर्यावरण के प्रभाव के बीच जटिल संबंध हैं। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि 'मशीन लर्निंग एल्गोरिदम' के जरिये महामारी के फैलने का पूर्वानुमान लगाने में सहायता मिल सकती है।

नेपाली PM ओली ने अपने खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का फैसला किया खारिज

काठमांडू:

सियासी संकट से घिरे नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा ओली ने सत्तारूढ़ पार्टी के उनके विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने संबंधी फैसले को सोमवार को खारिज कर दिया और कहा कि उनके खिलाफ ÷साजिशें÷ रची जा रही थीं जिसके कारण वह संसद भंग करने के लिये बाध्य हुए। ओली ने रविवार को राष्ट्रपति से संसद भंग कराकर अपने प्रतिद्वंद्वियों को आश्चर्य में डाल दिया।

सत्तारूढ़ दल के अंदर ही उनके और पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' के बीच लंबे समय से चल रही खींचतान के बाद यह विवादास्पद कदम उठाया गया। सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी की स्थायी समिति ने अपनी बैठक में ओली के इस कदम को 'असंवैधानिक, अलोकतांत्रिक और व्यक्तिगत सनक पर आधारित करार दिया और प्रधानमंत्री के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की सिफारिश की। दि काठमांडू पोस्ट की खबर के अनुसार इस कदम को खारिज करते हुए ओली ने कहा कि पार्टी के द्वितीय-अध्यक्ष द्वारा लिया गया यह निर्णय पार्टी संविधान के विरूद्ध है। भंग प्रतिनिधि सभा के सांसद कृष्णा राय के अनुसार ओली ने कहा, '' मैं क्योंकि पार्टी का प्रथम अध्यक्ष हूं, इसलिए द्वितीय अध्यक्ष द्वारा बुलायी गयी बैठक वैध नहीं होगी।' ' बैठक में मौजूद सांसदों के मुताबिक ओली ने कहा कि वह संसद भंग करने का निर्णय लेने के लिए बाध्य हो गए थे क्योंकि उन्हें पार्टी के अंदर हाशिये पर पहुंचा दिया गया था और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शक्तियों के साथ साठगांठ करके उनके खिलाफ साजिशें रची गयी थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें राष्ट्रपति विद्यादेवी भंडारी पर महाभियोग चलाने और संसद में उनके विरूद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने की योजना का पता चला था जिसके बाद वह संसद भंग करने के लिये बाध्य हुए।

ओली ने सांसदों से कहा, ''हमें लोगों से माफी मांगनी होगी और नये चुनाव की दिशा में बढ़ना होगा क्योंकि हमने जो वादा किया था, उन्हें हम पूरा नहीं कर पाये।' ओली अपने कदम पर सफाई देने के लिए सोमवार को राष्ट्र को संबोधित करने वाले हैं।

फ्रांस: शार्ली आब्दो हमले के मामले में 4 पाकिस्तानी नौजवान गिरफ्तार

इंटरनेशनल डेस्क: फ्रांस में 25 सितंबर को व्यंग्य पत्रिका शार्ली आब्दो के पुराने कार्यालय के बाहर हुए हमले के मामले में चार पाकिस्तानी नौजवानों को गिरफ्तार किया गया है। इस हमले में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे।पकड़े गए चारों युवक हमले के मुख्य रोपी जहीर हसन मुहम्मद के रिश्तेदार और दोस्त हैं और इनकी उम्र 17 से 21 साल से बीच है। हसन को हमले के तुरंत बाद गिरफ्तार कर लिया गया था। उसने जांचकर्ताओं को बताया था कि शार्ली आब्दो कार्यालय पर पूर्व में हुए हमले के बारे में उसके पास पाकिस्तान से वीडियो आया था जिसे देखने के बाद दूसरी बार कार्टून प्रकाशित करने पर उसने हमले की योजना बनाई थी। जांच में उसने रोते हुए बताया कि वह तहरीक-ए-लबाइक पार्टी के चरमपंथी नेता खादिम हुसैन रिजवी के नफरत वाले भाषण से प्रभावित हो गया था। उसके बाद ही वह 2018 में अवैध कागजातों के साथ फ्रांस आ गया था। रिजवी ने ही फ्रांस के खिलाफ आंदोलन में परमाणु हमले की धमकी दी थी। उसकी नवंबर में कोरोना होने के बाद मौत हो गई है।

ब्रिटेन में कोरोना के नए वेरियंट कारण कनाडा ने UK की उड़ानें रोकीं, सऊदी ने सीमाएं की बंद

इंटरनेशनल डेस्क:

दक्षिणी इंग्लैंड में कोरोना वायरस के नए स्वरूप (स्ट्रेन) के पांव पसारने के मद्देनजर कनाडा,) यूरोपीय संघ के देशों व सऊदी अरब ने ब्रिटेन से यात्री उड़ानों के परिचालन पर रोक लगा दिया है। फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रिया, आयरलैंड और बुल्गारिया पहले ही ब्रिटेन की यात्रा पर पाबंदी की घोषणा कर चुके हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कोरोना वायरस के नए स्वरूप के तेजी से फैलने के बाद क्रिसमस से पहले दक्षिणी इंग्लैंड में बाजारों को बंद करने और लोगों के जमावड़े पर रोक लगाने की घोषणा की है। जॉनसन ने श्रेणी-4 के सख्त प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से लागू करते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि कोरोना वायरस का एक नया स्ट्रेन सामने आया है, जो पूर्व के वायरस के मुकाबले 70 प्रतिशत अधिक तेजी से फैलता है और लंदन एवं दक्षिण इंग्लैंड में तेजी से संक्रमण फैला सकता है। हालांकि, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ने कहा कि अभी तक ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जो साबित करे कि वायरस का नया प्रकार अधिक घातक है और इस पर टीका कम प्रभावी होगा। इसी तरह सऊदी अरब ने ब्रिटेन में कोरोना वायरस के प्रकोप को देखते हुए एक सप्ताह के लिए देश की सीमाएं बंद कर अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को निलंबित कर दिया है। आधिकारिक सऊदी प्रेस एजेंसी ने आंतरिक चिकित्सा स्रोत का हवाले से यह रिपोर्ट दी है। सूत्र ने बताया कि नए प्रतिबंध को अतिरिक्त सप्ताह के लिए बढ़ाया जा सकता है। एसपीए के अनुसार सभी लोग जो यूरोपीय देशों के साथ ही अन्य देशों में जहां कोरोना वायरस की नई लहर चल रही है से सऊदी अरब पहुंचे हैं, उन्हें दो सप्ताह के लिए घर पर आईसोलेशन में रहना होगा । तथा जो लोग पिछले तीन महीनों में इन देशों का दौरा कर चुके उन्हें कोरोना परीक्षण करना जरूरी होगा। उल्लेखनीय है कि ब्रिटेन में कोरोना वायरस के नई लहर को देखते हुए वहां की सरकार ने शनिवार को लंदन सहित देश के अन्य हिस्सों में जहां कोरोना का अधिक प्रकोप है लॉकडाउन लगा दिया था। जिसके कारण कई देशों ने अपनी सीमाओ को बंद कर दिया है।

यूरोपीय संघ के देशों ने ब्रिटेन से यातायात निलंबित किया

यूरोपीय संघ के देशों ने ब्रिटेन में कोरोना वायरस स्ट्रेन के जोखिम को देखते हुए अपनी सीमाओं को बंद करने के साथ ही यातायात को निलंबित कर दिया है। शनिवार को ब्रिटेन की सरकार ने कोरोना वायरस के एक नया स्ट्रेन देश में अपने पैर पसारने पर लंदन सहित देश के कई हिस्सों में लॉकडाउन लागू कर दिया। वायरस का नया स्ट्रेन कोविड-19 महामारी का कारण बनता है और इससे 70 फीसदी अधिक संक्रामक हो सकता है। कोविड महामारी से जुझ रहे इटली ब्रिटेन में स्टेन की सूचना के बाद वहां के सभी हवाई अड्डों से आगमन को निलंबित कर दिया है और पिछले दो सप्ताह में ब्रिटेन में यात्रा करने वाले व्यक्तियों के देश में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। इटली के स्वास्थ्य मंत्री रॉबटर स्पेरानजा ने कहा कि जो लोग पहले ही ब्रिटेन से इटली आ चुके हैं, उन्हें कोविड परीक्षण करना होगा। उन्होंने कहा कि नए प्रतिबंध छह जनवरी तक लागू रहेंगे।

चीन से खतरों के मद्देनजर जापान ने लगातार नौवीं बार रक्षा बजट बढ़ाने की दी मंजूरी

इंटरनेशनल डेस्क: जापान सरकार चीन और उत्तर कोरिया से संभावित खतरे से निपटने के लिये लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलें और रेडार से बच निकलने में सक्षम लड़ाकू विमान विकसित करने के लिये रक्षा बजट बढ़ाना चाहती है। इसके लिए जापान के मंत्रिमंडल ने देश के रक्षा बजट को लगातार नौवीं बार बढ़ाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। वित्त वर्ष 2021 में रिकॉर्ड 5.34 ट्रिलियन येन (51.7 अरब अमेरिकी डॉलर) का रक्षा बजट पेश करने की योजना है। प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा के कार्यकाल का यह पहला बजट होगा। यह बजट मौजूदा वित्त वर्ष के रक्षा बजट से 1.1 प्रतिशत अधिक होगा। अगले साल की शुरुआत में इसे 106 ट्रिलियन येन (10.3 खरब अमेरिकी डॉलर) के राष्ट्रीय बजट के साथ संसद की मंजूरी दी जाएगी। रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि प्रस्तावित बजट में लंबी दूरी की मिसाइलें विकसित करने का खर्च भी शामिल है, जिन्हें विध्वंसक या लड़ाकू विमानों से दागा जा सकता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर को मिली जान से मारने की धमकी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के पुलिस कमिश्नर डीके ठाकुर को जान से मारने की धमकी दी गई है। विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस कमिश्नर आवास की सुरक्षा बढ़ा दी है और मामले की जांच डीसीपी

दक्षिण को सौंप दी है। सोमवार सुबह पुलिस कंट्रोल रूम के ११२ नंबर पर अंजान कॉल आई जिससे पुलिस कमिश्पर को जान से मारने की धमकी दी गई।

११२ नंबर पर आने वाले कॉल को देखने वाले सिपाही ने इसकी सूचना विभाग के बड़े अधिकारियों को दी। सर्विलांस सेल को नंबर की लोकेशन दिल्ली मिली है।

पुलिस टीम धमकी देने वालों की डिटेल निकालने में जुट गई है।

सरकार ने इस मामले में कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

बाहुबली विधायक विजय मिश्रा का पोता गैंगरेप प्रकरण में गिरफ्तार

भदोही (एजेंसी)। गैंगरेप के मामले में विधायक विजय मिश्रा का पोता सोमवार को गिरफ्तार कर लिया गया। आर्के स्ट्रा गायिका ने विधायक विजय मिश्रा, बेटे विष्णु मिश्रा और पोते विकास मिश्रा उर्फ ज्योति के खिलाफ गैंगरेप का आरोप लगाते हुए १८ अक्टूबर को केस दर्ज कराया था। विधायक पहले से जेल में हैं। बेटा फरार है। उसका लुक आउट नोटिस भी जारी है। पुलिस ने कौलापुर मोड़ से विकास को गिफ्तार किया गया।

युवती के अनुसार २०१४ के लोकसभा चुनाव के दौरान उसे टीम के साथ प्रचार-प्रसार के लिए बुलाया गया था। उस दौरान असलहा दिखाकर विधायक ने कई बार उसके साथ दुराचार किया। उनके बेटे विष्णु मिश्रा और विकास मिश्रा ने भी रेप किया। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई थी। इससे वह डरकर मुंबई चली गई। पीड़िता ने कहा कि विधायक

के जेल जाने से उसे न्याय की आस जगी।

इस पर वह न्याय की गुहार लगाने पहुंच गई। गोपीगंज थाने विधायक विजय मिश्रा, बेटे विष्णु मिश्रा व विकास मिश्रा के खिलाफ आईपीसी की धाराओं ३७६ डी, ३४२ व ५०६ के तहत केस दर्ज था।

१.२० करोड़ की चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

बहराइच (एजेंसी)। भारत-नेपाल की सरहद के भारतीय इलाके के बलई गांव में १.२० करोड़ की चरस बरामद की गई है। सशस्त्र सीमा बल की ५९ वी बटालियन व नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की संयुक्त मुहिम में नेपाल के हुम्ला जिले के बाशिंदा नेपाली मादक पदार्थ तस्कर को धर दबोचा गया है।

सशस्त्र सीमा बल ५९वी बटालियन के कार्यवाहक कमांडेंट शैलेश कुमार ने बताया कि रविवार की भोर से पूर्व ५९वीं बटालियन सशस्त्र सीमा बल की सीमा चैकी बलई गांव व नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो लखनऊ ने ठोस सेचना के आधार पर रविवार आधी रात से संयुक्त नाका लगाया गया था। जानकारी मिली थी कि एक तस्कर नेपाल से भारत आने वाला है। जिसके पास नशीले पदार्थ होने की संभावना है।

मादक पदार्थ की डिलीवरी वह भारतीय इलाके में किसी को देने वाला है। बीओपी बलई गांव के निरीक्षक अभिषेक त्रिपाठी, आशीष उपाध्याय, नवीन सिंह धामी व नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो लखनऊके सुरिंदर कुमार व उनकी टीम ने संयुक्त नाका लगाया। भोर से पूर्व एक व्यक्तिनेपाल की तरफ से आते दिखाई दिया। जब उसको रोका गया और पूछताछ की गई तो उसने अपने आप को नेपाल के हुम्ला जिले निवासी हरजन बुधा बताया।

जब उसकी तलाशी ली गई तो उसके पास से चार किग्रा चरस बरामद की गई।

बरामद की गई चरस की कीमत अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में एक करोड़ बीस लाख रुपए आंकी गई है। तस्कर व चरस को एनसीबी के हवाले कर दिया गया है।

भाजपा सरकार ले रही है अब अंतिम सांसें-अखिलेश

लाखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने किसानों को सम्बोधित करते हुए भाजपा किसानों को डराना चाहती है, पर किसान डरने वाला नहीं है। तीन कृषि कानूनों के विरूद्ध किसानों का देश व्यापी आंदोलन जारी है। उनके साथ अन्याय हो रहा है। समाजवादी पार्टी भी उनके संघर्ष में साथ है। भाजपा जो कानून लाई है वह किसान विरोधी है और उससे कुछ पूंजीपतियों को ही लाभ मिलेगा। इस सरकार से किसान, नौजवान, व्यापारी, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक सभी परेशान है। भाजपा सरकार अब अंतिम सांसे ले रही है।

सपा मुखिया ने सोमवार को संतकबीरनगर में हुई वर्चुअल रैली को सम्बोधित करते हुए कहा कि किसानों के साथ भाजपा ने बड़ा धोखा किया है। एमएसपी मिली नहीं। आय दुगनी हुई नहीं। धान की कीमत ११०० रूपये से ज्यादा नहीं मिली। क्रय केन्द्रों में खरीद नहीं हो रही है। लागत का ड्योढ़ा दाम भी नहीं मिला। किसान को मंहगी खाद, डीजल, कृषि उपकरण खरीदने पड़ रहे हैं। धान की लूट हुई है। गन्ना किसानों को

चार वर्ष में भी बकाया राशि नहीं मिली। बिजली मंहगी है। भाजपा सरकार ने अपने शासन काल में एक यूनिट विद्युत उत्पादन नहीं किया। रोजगार नहीं है। कारखाने बंद हैं। विकास कार्य धुआं हो गए हैं। मुख्यमंत्री का किसानों से कोई मतलब नहीं है। भाजपा धोखे से सत्ता में आई है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने रात में रैली के संयोजक सुनील सिंह की गिरफ्तारी को अवैध और निंदनीय बताते हुए कहा कि भाजपा सत्ता का दुरूपयोग करने से बाज आए। भाजपा का लोकतंत्र पर भरोसा नहीं है। हिरासत में मौतों और फर्जी एनकाउण्टरों पर मानवाधिकार आयोग राज्य सरकार को कई नोटिसें जारी कर चुका है।

महिलाओं के साथ दुष्कर्म की बढ़ती घटनाओं से पूरे देश में बदनामी हो रही है। नौजवानों को नौकरी मिली नहीं। चार लाख करोड़ का निवेश कहा हुआ, पता नहीं।

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

किशोर के पास आधा दर्जन कछुए बरामद

मसौली बाराबंकी(एजेंसी)। पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविन्द चतुर्वेदी निर्देश पर अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाये जा रहे अभि यान के क्रम में मसौली पुलिस एव वन विभाग की संयुक्त टीम ने एक किशोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से आधा दर्जन कछुवे बरामद किये। प्रभारी निरीक्षक मसौली विजेन्द्र प्रसाद शर्मा को मुखबिर द्वारा मिली सूचना पर उपनिरीक्षक राकेश वर्मा एव वन विभाग की बाल अपचारी के कब्जे से ०६ अदद कछुआ (इण्डियन फलैप सेल टरटिल सिडियुल प्रजाति के) व एक अदद सूजा बरामद किया। तथा एक व्यक्ति पुलिस को देखकर भाग गया। पुलिस की गिरफ्त में बाल अपचारी ने पुलिस को बताया कि उसे इस काम हेतु ५०० रूपये प्रतिदिन की मजदूरी मिलती है। तथा भागा हुआ व्यक्ति दुर्लभ प्रजाति के कछुओं को मंहगे दामों पर ले जाकर बेचता है।

संयुक्त टीम ने जहांगीराबाद-शहावपुर रोड पर स्थित राजकीय इण्टर कालेज के पास से एक मसौली पुलिस ने मामला दर्ज किशोर को न्यायालय में भेज दिया है।

पुलिस अधीक्षक ने किया नवनिर्मित बैरकों का उद्घाटन

मसौली बाराबंकी(एजेंसी)। पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविन्द चतुर्वेदी ने थाना सफदरगंज में पुरूष एव महिला आरक्षी के नवनिर्मित बैरकों का फीता काटकर उदघाट्न किया तथा सेवानिवर्त शिक्षक, पुलिसकर्मियों एव स्वयं सहायता समूह छात्राओं से संवाद थाने के चौकीदारों को कम्बल वितरण किया तथा वार्षिक मुआयना किया। थाना मुख्यालय पहुँचे पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविन्द चतुर्वेदी को फतेहचंद जगदीश राय इंटर कालेज के छात्रों की कलर पार्टी द्वारा स्वागत सम्बोधन करते हुए सलामी दी तथा उपनिरीक्षक दीपेंद्र विक्रम सिंह की अगुवाई में गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी गयी। इसके उपरान्त पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविन्द चतुर्वेदी ने थाना परिसर में जनसहयोग से नवनिर्मित महिला एव पुरुष बैरक का फीता काटकर उदघाट्न किया। उदघाट्न पश्चात उपस्थित गणमान्य एव पुलिसकर्मियों से रूबरूहोते हुए पुलिस अधीक्षक डॉ. अरविन्द चतुर्वेदी ने कहा कि पुलिस के लिए तीन काम सबसे महत्वपूर्ण होते है जिसमे प्रथम यह है कि समाज को अपराध मुक्त बनाया जाय दूसरा काम है कि यदि कोई अपराध घटित हो जाय तो उसका अनावरण होना चाहिए

गोवंश की दुर्दशा पर प्रियंका गांधी ने लिखा सीएम योगी को पत्र

लखनऊ (एजेंसी)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर गोवंश की दुर्दशा पर अपनी चिंता जाहिर की है। पत्र में महासचिव ने लिखा है कि ललितपुर के सौजना से आई गौमाता के शवों की तस्वीरों को देखकर मन विचलित हो गया है। अभी ये विवरण नहीं मिले हैं कि इन गायों की मौत किन परिस्थितियों में हुई है। लेकिन तस्वीरों से लग रहा है कि चारा-पानी न मिलने की वजह से ही मौतें हुई हैं। देखकर लगता है कि कई दिनों की भूख और प्यास से धीरे-धीरे हुई पीड़ादायक मौतें हैं।

मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में प्रियंका गांधी ने कहा है कि दुखद यह भी है कि यह इस तरह की पहली तस्वीर नहीं है। इससे पहले भी प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से ऐसी तस्वीरें मिलती रही हैं। हर बार इन पर कुछ देर के लिए चर्चा होती है लेकिन इन मासूम जानवरों की देखभाल के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाते। सवाल उठता है कि इसके लिए जिम्मेदार कौन है? मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में प्रियंका गांधी ने कहा कि सत्ता में आने के समय आपने गौ-वंश की रक्षा और गौशालाएँ बनवाने की बात की थी लेकिन वास्तविकता यही है कि इस संदर्भ में आपकी घोषणाओं के बावजूद सरकार के प्रयास पूरी तरह से विफल रहे हैं। गायों की भलाई के नाम पर गौवंश की दुर्दशा की जा रही है।

गौशालाएं खोली गईं मगर सच यह है कि वहाँ गौ-वंश को चारा और पानी नहीं सिर्फ असंवेदनशीलता मिलती है। भ्रष्ट अफसर व गौशाला संचालक पूर्णत: भ्रष्टाचार में लिप्त हैं।

पूरे प्रदेश में हर दिन न जाने कितनी गायों भूखी प्यासी मर रही हैं।

प्रियंका गांधी ने पत्र में कहा है कि जहां गौशालाएँ इस परिस्थिति में हैं, वहाँ आवारा पशु की भी भयंकर समस्या बनी पड़ी है। किसान पूरी तरह से हलकान हैं। वे रात-रात भर जागकर अपनी फसलों की रक्षा कर रहे हैं। फसलों की रक्षा के लिए उन्हें हजारों-लाखों खर्च कर खेतों की तारबंदी करवानी पड़ रही है।

कांग्रेस महासचिव ने पत्र में लिखा है कि कांग्रेस की सरकार ने छत्तीसगढ़ में इस मामले को 'गोधन न्याय योजना' लागूकर बहुत अच्छी तरह से सुलझाया है।

गणतन्त्र दिवस पर 'चलो दुनिया को स्वर्ग बनायें हम, प्रेम से और प्यार से' का संदेश देगी सी.एम.एस. की झाँकी

लखनऊ (एजेंसी)। सिटी मोन्टेसरी स्कूल आगामी गणतन्त्र दिवस, २६ जनवरी २०२१ के पावन अवसर पर अपनी अद्भुत झाँकी के माध्यम से सारे विश्व को एकता, शान्ति, सौहार्द, प्यार व विश्व बन्धुत्व की भावना में पिरोकर इस दुनिया को स्वर्ग बनाने की प्रेरणा देगा।

'चलो दुनिया को स्वर्ग बनायें हम, प्रेम से और प्यार से' विषय पर आधारित सी.एम.एस. की यह झाँकी भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की महान संस्कृति एवं सभ्यता के अनुरूप सम्पूर्ण विश्व मानवता से प्रेम व सद्भाव का संदेश देगी,

साथ ही 'भारतीय संविधान के अनुच्छेद ५१' की भावनाओं के अनुसार एकता, शान्ति व न्याय पर आधारित विश्व व्यवस्था का आह्वान भी करेगी। उक्त जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी श्री हरि ओम शर्मा ने दी है। श्री शर्मा ने बताया कि सी.एम.एस. द्वारा तैयारी की जा रही यह झाँकी वर्तमान विश्व समाज की विषमताओं को देखते हुए अत्यन्त ही समीचीन है,

जो धरती के प्रत्येक मुनष्य को एकता की डोर से बाँधती है, साथ ही देश की साँस्कृतिक विरासत को सारे विश्व में प्रचारित-प्रवाहित करती है।

श्री शर्मा ने बताया कि सी.एम.एस. की झाँकी चार भागों में हैं और सभी भाग एक अनूठे ढंग से मानवता के कल्याण का का संदेश दे रहे हैं।

इस झाँकी के प्रथम भाग में 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का संदेश प्रसारित किया जा रहा है जबकि द्वितीय भाग में विभिन्न पूजा स्थलों के माध्यम से यह प्रदर्शित किया गया है कि सभी धर्मों का स्रोत एक ही परमपिता परमात्मा है। इसी छत के नीचे झाँकी गीत ''चलो दुनियाँ को स्वर्ग बनाये हम, प्रेम और प्यार से'' पर सी.एम.एस. छात्राएं नृत्य प्रस्तुत करेंगी। झाँकी के तृतीय भाग में विश्व संसद के प्रारूप के साथ भारतीय संविधान के अनुच्छेद ५१ की भावना के अनुरूप विश्व एकता की अपील प्रस्तुत की गई है,

साथ ही संत कबीर, महात्मा गांधी, विनोबा भावे, मदर टेरेसा एवं धर्म गुरू दलाईलामा की तस्वीरों के साथ सम्पूर्ण विश्व मानवता से प्रेम करने का संदेश प्रसारित होगा।

झाँकी के अंतिम भाग में राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी की भव्य प्रतिमा के साथ ही उनका संदेश 'बुरा मत सुनो, बुरा मत देखो, बुरा मत बोलो' प्रसारित किया जा रहा है।

श्री शर्मा ने बताया कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर २६ जनवरी, २०२१ को निकाली जाने वाली यह झाँकी सम्पूर्ण विश्वसमाज को समर्पित है और दुनिया को स्वर्ग बनाने के लिए प्रेम और प्यार से रहने के लिए प्रेरित कर रही है।

झाँकी से प्रेरणा लेकर यदि एक भी नागरिक या बालक विश्व समाज को शान्ति, सहयोग, सौहार्द तथा एकता के सूत्र में पिरोने का संकल्प लेता है तो हमारा प्रयास सार्थक होगा।

श्री शर्मा ने बताया कि झाँकी का निर्माण बड़े जोर-शोर से जारी है एवं आगामी २६ जनवरी को गणतन्त्र दिवस परेड में यह झाँकी सभी के आकर्षण का केन्द्र होगी।

सार-समाचार

पुरानी रंजिश में लाठी डंडे व पत्थर से मारकर युवक की हत्या

मिर्जापुर (एजेंसी)। जिले के सरिया गांव में पुरानी रंजिश को लेकर रविवार की रात बाजार से घर लौट रहे युवक की मनबढ़ों ने लाठी डंडे व पत्थर से मारपीट कर हत्या कर दिए। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतक के पिता की तहरीर पर मामला दर्ज तीन अभियुक्तों को हिरासत में लेकर पड़ताल में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक सरिया गांव निवासी २३ वर्षीय रामवृक्ष विन्द पुत्र शिवनाथ बिन्द देर शाम बाजार किसी काम से गया था। रात घर आ रहा था। पुरानी रंजिश को लेकर मनबढ़ों ने लाठी डंडे व मारपीट कर गम्भीर रूप से जख्मी कर दिए। सूचना पर पहुचे परिजन जख्मी युवक को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुचे। यहाँ डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद मनबढ़ फरार हो गए थे। मृतक के पिता के अनुसार बिजली का केबिल लगाने के पुराने विवाद को लेकर रामवृक्ष को घेर कर मारपीट कर हत्या की गयी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अभियुक्त रामविलास समेत तीन को हिरासत में ले लिया है।

बंद कमरे में अंगीठी जलाकर सोने से दो बहनों की मौत, तीसरी गंभीर

गोरखपुर (एजेंसी)। जिले के थाना बड़हलगंज के मझवलिया गांव में बंद कमरे में अंगीठी जलाकर सोना जानलेवा हो गया। तीन बहनों में से दो की दम घुटने से मौत हो गई जबकि तीसरी की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने दोनों बहनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार मझवलिया गांव के अवधेश प्रसाद की तीन बेटियां प्रतिमा (२०), अंतिमा (१८) और निधी (१७) एक कमरे में कोयले की अंगीठी जलाकर सोई थीं। कमरा बंद था। उसमें न कोई खिड़की थी न रोशनदान। जानकारों का कहना है कि कमरे में कार्बन मोनो आक्साइड फैल गई होगी। ऑक्सीजन काफी कम हो गया होगा। इसी वजह से अंगीठी के धुंए से दो बहनों अंतिमा और निधि का दम घुट गया। दोनों की मौत हो गई। कमरे में सो रही तीसरी बहन प्रतिमा की हालत भी गंभीर है। उसका गोरखपुर के बड़हलगंज के एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। बताया जाता है कि रात में तीनों बेटियां खाना खाने के बाद कमरे में सोने चली गईं थीं। सोमवार सुबह कमरे से कोई आवाज नहीं आने पर लोहे के रॉड से दरवाजा तोड़ा गया। अंदर तीनों बहनें अचेत पड़ी थीं। परिवारवाले आनन-फानन तीनों को नजदीकी अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने अंतिमा और निधि को मृत घोषित कर दिया। प्रतिमा का इलाज चल रहा है।

प्रेमिका के घर लड़के ने लगाई फांसी, प्रेमी की मौत से आहत लड़की ने भी कर ली आत्महत्या

उन्नाव (एजेंसी)। जिले के अजगैन थाने एक गांव में रविवार रात प्रेमिका के घर पहुंचे प्रेमी का उससे विवाद हो गया। नाराज प्रेमी ने प्रेमिका के घर पर ही फांसी लगा ली। प्रेमी के मौत की जानकारी के कुछ देर बाद प्रेमिका ने भी फांसी लगाकर जान दे दी। उधर, युवक के परिजनों ने हत्या कर शव फंदे से लटकाने का आरोप लगाया। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

प्राप्त विवरण के मुताबिक गांव का १७ साल का किशोर रात में किशोरी के घर मिलने के लिए गया था। किसी बात को लेकर प्रेमिका से कहासुनी हो गई जिस पर किशोरी के घर पर ही उसने साड़ी के फंदे से फांसी लगा ली। शव लटकता देख किशोरी की मां ने किशोर के घर पर घटना की सूचना दी। किशोर का बड़ा भाई किशोरी के घर पहुंचा और शव को फंदे से उतरवा कर निजी डॉक्टर के यहां ले गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। बड़े भाई ने वहां से लाकर शव किशोरी के घर पर डाल दिया और पुलिस को सूचना दी।

मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर उच्चाधिकारियों को मामले से अवगत करवाया। इसी बीच किशोरी ने भी उसी साड़ी से घर में फंदा डालकर फांसी लगा ली। सुबह किशोरी का शव लटकता देख मां के होश उड़ गए। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने सुबह जांच के बाद दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। सीओ हसनगंज राज कुमार शुक्ल ने बताया कि प्रेमी युगल ने फांसी लगाकर खुदकुशी की है। शवों के पोस्टमार्टम के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गंड़ासे से काट कर भांजे ने कर दी मामी की हत्या

श्रावस्ती (एजेंसी)। जिले में धन के लालच में एक भांजे ने मामी की दिन दहाड़े गंड़ासे से काट कर हत्या कर दी। बचाने दौड़ी परिवार की महिलाओं को भी मारने को दौड़ा लिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक सिरसिया थाने के ग्राम गुलरा फटवा निवासी मायावती (५०) पत्नी हृदयरामघर में अकेली रहती थी। हृदय राम की तीन महीने पहले मौत हो गई थी। इससे मायावती की देख रेख करने के लिए शाहपुर बरदहवा निवासी भानजे नरेश वर्मा का पुत्र शिवकुमार गुलरा फटवा में रहता था। सोमवार को मायावती को लेकर शिवकुमार शाहपुर बरदहवा आया था। दोपहर के बाद मायावती अपने भांजे नरेश के घर के सामने धूप में बैठी थी। इसी बीच दूसरा भानजा

गोपाल गंड़ासा लेकर मौके पर पहुंच गया और ताबड़तोड़ कई वार करके मायावती को मौत के घाट उतार दिया। दिन दहाड़े हुई हत्या से गांव में सनसनी फैल गई। सूचना पर सिरसिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। शिव कुमार की तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

ब्रिटेन में कोरोना वायरस का नया स्वरूप, 31 दिसंबर तक भारत आने वाली उड़ानों पर लगी रोक

नयी दिल्ली। नागर विमानन मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि कोरोना वायरस के नए स्वरूप के उभार के मद्देनजर बुधवार से 31 दिसंबर तक ब्रिटेन से भारत आने जाने वाली उड़ानें स्थगित रहेंगी। मंत्रालय ने कहा है कि मंगलवार तक ब्रिटेन की उड़ानों से आने वाले यात्रियों के हवाई अड्डे पर पहुंचने के दौरान एहतियाती कदम के तौर पर कोविड-19 की जांच की जाएगी। ब्रिटेन की सरकार ने चेताया है कि नए किस्म के कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से फैल सकता है और रविवार से वहां पर नयी पाबंदियां लगायी गयी हैं। कनाडा, तुर्की, बेल्जियम, इटली और इजराइल समेत कुछ देशों ने ब्रिटेन से आने-जाने वाली उड़ानों पर रोक लगा दी है।

केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले का दावा, पश्चिम बंगाल में अगली सरकार बनाएगी भाजपा

पणजी। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने सोमवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा दो सौ से ज्यादा सीटें जीत कर सरकार बनाएगी। केंद्र में भाजपा की सहयोगी आरपीआई के प्रमुख आठवले ने यहां संवाददाताओं से कहा कि वह भी पश्चिम बंगाल चुनाव में अपनी पार्टीरिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (ए) के लिए चार से पांच सीटों की मांग करेंगे। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के हाल के दौरे ने यह साबित कर दिया है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार से गिने-चुने दिन बचे हैं। आठवले ने कहा, 'भाजपा पश्चिम बंगाल में दो सौ से अधिक सीटें जीतेगी। पार्टी वहां अगली सरकार बनाएगी।' उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी चकित हैं और हाल ही में भाजपाअध्यक्ष जेपी नड्डा के काफिले पर हमले सरीखी घटनाओं से यह दिखाई देता है।

कोरोना वैक्सीन आने के बाद देश से चला जाएगा संक्रमण: रामदास आठवले

पणजी। केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने सोमवार को कहा कि देश में एक या दो महीने में कोविड-19 का टीका उपलब्ध होगा। आठवले ने पणजी में संवाददाताओं से कहा, ''एक बार टीका आने के बाद, कोरोना यहां से (देश)) चला जाएगा।'' उन्होंने कहा कि अगले एक या दो महीने में देश में कोविड-19 के खिलाफ एक टीका आ जाएगा। मंत्री ने कहा, ''कोरोना वायरस और छह-सात महीने तक रहेगा, लेकिन उसे एक दिन जाना होगा। टीका आने के बाद, कोरोना यहां से जाएगा।'' आठवले ने इस साल फरवरी में 'गो कोरोना गो' का नारा दिया था। उन्होंने इसका जिक्र करते हुए कहा, ''कोरोना में कमी आ रही है ... यह जा रहा है। मैंने फरवरी में गो कोरोना गो का नारा दिया था।'' मंत्री ने कहा कि कोविड-19 मामलों की संख्या गोवा और पड़ोसी महाराष्ट्र में भी कम हुई है। रविवार तक, गोवा में कुल 50,064 कोविड??-19 मामले सामने आये थे जबकि महाराष्ट्र में इसके कुल 18,96,518 मामले दर्ज किए गए हैं।

भोपाल गैस पीड़ित संगठनों ने किया किसान आंदोलन का समर्थन

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में यूनियन कार्बाइड हादसे के पीड़ितों के चार संगठनों ने सोमवार को किसान आन्दोलन के समर्थन में प्रदर्शन किया। संगठनों ने हाल में किसानों से सम्बंधित पारित कानूनों को अविलम्ब खारिज करने की माँग की थी। उन्होंने कहा कि ये क़ानून सिर्फ कम्पनियों का मुनाफा बढ़ाने के लिए बनाए गए हैं। भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ की अध्यक्षा रशीदा बी ने कहा कि मोदी सरकार की कम्पनियों, खासकर अम्बानी और अडानी की कम्पनियों के साथ साँठगाँठ के खिलाफ किसानों के आन्दोलन का हम समर्थन करते हैं। यूनियन कार्बाइड और डाव केमिकल कम्पनियों के साथ सरकार की साँठगाँठ की वजह से ही भोपाल गैस पीड़ित आजतक बदहाल और इन्साफ से वंचित हैं। राष्ट्रीय हित में कंपनियों और सरकार के बीच साँठगाँठ ख़त्म होना बहुत ज़रूरी है।

आजम खान पर लगाये गए झूठे मुकदमे में हारेगी उत्तर प्रदेश सरकार: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार पर तीखा प्रहार किया। यादव ने सपा सांसद आजम खान के समर्थन में ट्वीट कर कहा कि राज्य सरकार को सपा सांसद पर लगाये गए झूठे मुकदमे में हार मिलेगी। अखिलेश यादव ने सोमवार को ट्वीट किया, ''जिस प्रकार हाथरस कांड में भाजपा सरकार के झूठ की पोल खुली है, उससे उत्तर प्रदेश में झूठे मुकदमों की कलई खुलनी शुरू हो गयी है। न्यायपालिका और लोकतंत्र में विश्वास रखते हुए हमें पूरा भरोसा है कि आजम खान साहब के खिलाफ झूठे मुकदमे में भी राज्य सरकार को हार मिलेगी और उन्हें बहुत जल्द इंसाफ मिलेगा।'' रामपुर के सपा सांसद आजम खान इस समय सीतापुर जेल में बंद हैं और उन पर कई मुकदमे दर्ज हैं।

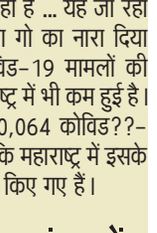

राष्ट्रपति ने केजीएमयू के प्रयासों की सराहना की, बोले- गरीब तबके के मरीजों का ध्यान रखना चिकित्सकों का सर्वोपरि कर्तव्य है

लखनऊ। (एजेंसी)।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि कोरोना महामारी की लड़ाई में केजीएमयू जैसे सार्वजनिक अस्पतालों ने अग्रणी भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि सक्षम व संवेदनशील डॉक्टर व नर्स मरीजों का विश्वास जीत पाते हैं और मरीजों का यह विश्वास और आस्था ही उनके उपचार का आधार है। मरीजों का विशेषकर गरीब तबके के मरीजों का ध्यान रखना आप सबका सर्वोपरि कर्तव्य है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद सोमवार को वीडियो कांफ्रेंस के जरिये केजीएमयू के 16वें दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में उन्होंने सभी विद्यार्थियों, पदक विजेताओं, शिक्षकों और अभिभावकों को बधाई दी। साथ ही कहा कि आज स्नातक की डिग्री प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए बहुत खुशी का दिन है क्योंकि अब से इनके नाम के पहले डॉक्टर' शब्द जुड़ जाएगा। उन्होंने केजीएमयू के विद्यार्थियों को संदेश देते हुए कहा कि आपने अपने लिए जिस सम्मानित पेशे को चुना है, उसका महत्व केवल जीविकोपार्जन तथा व्यक्तिगत उन्नति के लिए नहीं है बल्कि आपने मानव सेवा का मार्ग चुना है और हमारे देश में डॉक्टर को भगवान का दर्जा दिया जाता है।

कोविंद ने कहा कि आप सब युवा डॉक्टर यह हमेशा याद रखें कि मरीज केवल मेडिकल केस नहीं होते हैं, वे संवेदनशील मनुष्य होते हैं जो पीड़ा, परेशानी, तनाव और आशंका की स्थिति में आपके पास आते हैं और ऐसे में मरीज की देख-भाल करने वाले डॉक्टर और नर्स में योग्यता एवं करुणा दोनों का होना बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि पेशेवर शिक्षा के क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को समाज में हो रहे बदलाव एवं विकास का प्रतिबिंब माना जा सकता है। मुझे केजीएमयू के पहले बैच के विद्यार्थियों की सूची दिखाई गई और 31 विद्यार्थियों की उस सूची में मात्र दो छात्राएं थी और मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि आज के दीक्षांत समारोह में कुल 44 पदक विजेताओं में से 21 बेटियां हैं जो लगभग 50 प्रतिशत हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि मुझे बताया गया है कि लगभग साढ़े बारह हजार सदस्यों का 'जॉर्जियन एल्युमनाई एसोसिएशन' अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय है। ऐसे में मेरा सुझाव है कि इसएसोसिएशन द्वारा एक 'नॉलेज पोर्टल' स्थापित किया जाए और इस पोर्टल पर देश-विदेश में कार्यरत सभी जॉर्जियन अपनी विशेष जानकारी और अनुभव साझा करें। उन्होंने कहा कि 21वीं शताब्दी की स्वास्थ्य सेवाओं में आ रहे अत्याधुनिक बदलावों के मद्देनजर युवा विद्यार्थियों में आरंभ से ही शोध की मानसिकता विकसित की जानी चाहिए। राज्य विश्वविद्यालयों की कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अलावा वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने भी दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

राम मंदिर के लिए चंदा एकत्र करने की मुहिम की आड़ में होगा चुनाव प्रचार: शिवसेना

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना ने सोमवार को आरोप लगाया कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए लोगों से चंदा एकत्र करने के लिए चलाया जाने वाला संपर्क अभियान भगवान राम की आड़ में 2024 आम चुनावों के लिए प्रचार करने के समान है। हालांकि भाजपा ने इस आरोप को खारिज करते हुए कहा कि यह पार्टी के लिए कोई राजनीतिक मुद्दा नहीं है और उसने शिवसेना पर पहले राम मंदिर निर्माण के भूमि पूजन और फिर चंदा एकत्र करने की मुहिम में बाधाएं पैदा करने का आरोप लगाया। शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना' में कहा कि यह कभी तय नहीं हुआ था कि भव्य मंदिर का निर्माण लोगों के चंदे से किया जाएगा। उसने कहा कि भगवान राम के नाम पर प्रचार अभियान एक बिंदू पर बंद हो जाना चाहिए, लेकिन ऐसा होता दिख नहीं रहा। उसने आरोप लगाया, ''लोगों से चंदा एकत्र करने का मामला सीधा-सरल नहीं है। यह राजनीतिक है।''

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र न्यास के महासचिव चंपत राय ने पिछले सप्ताह कहा था कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण जन संपर्क कार्यक्रम के जरिए लोगों से घरेलू स्तर पर एकत्रित किए गए धन से ही किया जाएगा क्योंकि न्यास के पास विदेशों से दान लेने की जरूरी मंजूरी नहीं है। राय ने कहा था कि राम मंदिर वास्तव में 'राष्ट्र मंदिर' का रूप लेगा और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र मंदिर निर्माण के लिए देशभर में

जन संपर्क एवं योगदान अभियान शुरू करने जा रहा है। मराठी समाचार पत्र 'सामना' ने किसी पार्टी या संगठन का नाम लिए बगैर कहा, ''मंदिर का निर्माण किसी राजनीतिक दल के राजनीतिक हित के लिए नहीं किया जा रहा है, बल्कि इसे देश में हिंदू गौरव की पताका फहराने के लिए किया जा रहा है।'' उसने दावा किया कि इस संपर्क मुहिम को चार लाख स्वयंसेवक लागू करेंगे। शिवसेना ने कहा, ''इस जनसंपर्क कार्यक्रम का मकसद भगवान राम की आड़ में2024 लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करना है।'' पार्टी ने सवाल किया कि इस कार्यक्रम को कौन से स्वयंसेवक चलाएंगे और उनके संगठन का नाम क्या है? उसने कहा कि मंदिर निर्माण मुहिम की शुरुआत में विहिप नेता अशोक सिंघल, विनय कटियार और अन्य ने अयोध्या में डेरा डाला था। भाजपा नेता एल के आडवाणी ने रथ यात्रा की थी और शिवसेना संस्थापक दिवंगत ''बाल ठाकरे की प्रेरणा से बाबरी मस्जिद की गुबंद पर हथौड़ा'' चला था। उसने कहा, ''यह इतिहास है, लेकिन आज अयोध्या राम मंदिर मालिकाना हक का विषय बन गया है।''

शिवसेना के नेता एवं सांसद संजय राउत ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, ''घर-घर जाकर भगवान के नाम पर चंदा मांगना राम मंदिर और हिंदुत्व का अपमान है।'' उन्होंने किसी पार्टी का नाम लिए बगैर कहा कि भगवान राम के नाम पर ''राजनीतिक नाटक'' बंद हो जाना चाहिए। राउत ने कहा कि न्यायालय के आदेश के बाद मंदिर का निर्माण किया जा रहा है और प्रधानमंत्री ने इसका भूमि पूजन किया। उन्होंने कहा कि कई उदार लोग न्यास के बैंक खाते में चंदा दे रहे हैं और शिवसेना ने भी एक करोड़ रुपए का चंदा दिया है। राउत ने कहा, ''फिर आप किस प्रचार के लिए इन चार लाख स्वयंसेवकों को भेज रहे है।'' इन आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा विधायक एवं महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आशीष शेलार ने कहा, ''वे डरे हुए क्यों हैं? संजय राउत 2024 के चुनाव में अपनी हार की नींव क्यों रख रहे हैं?'' उन्होंने कहा, ''भाजपा के लिए यह कभी राजनीतिक मुद्दा नहीं था और न ही है।'' शेलार ने शिवसेना पर पहले राम मंदिर के भूमि पूजन में बाधा उत्पन्न करके और अब चंदा मुहिम में अवरोध उत्पन्न करके राम विरोधी रुख अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''जिनके लिए यह मुहिम केवल राजनीति से प्रेरित थी, उनके पेट में राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन के समय दर्द शुरू हो गया था और अब राम मंदिर निर्माण के लिए चंदे की मुहिम उनकी आंखों में खटक रही है।

प्रधानमंत्री मोदी आईआईएसएफ-2020 का करेंगे उद्घाटन, केंद्रीय मंत्री हर्षवर्धन ने दी जानकारी

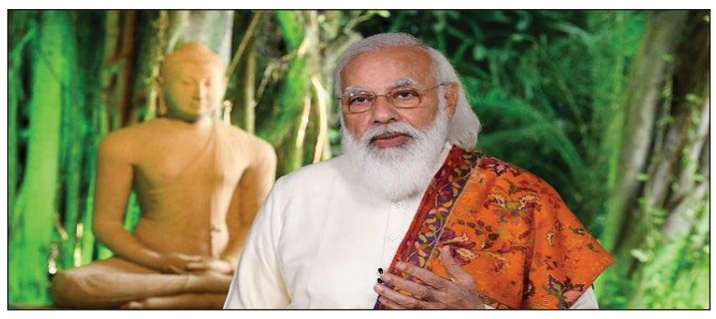

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार को वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से चार दिवसीय भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ) के छठे संस्करण का उद्घाटन करेंगे। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्धन ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू महोत्सव के आखिरी दिन 25 दिसंबर को इसे संबोधित करेंगे। हर्षवर्धन ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 दिसंबर को 4.30 बजे आईआईएसएफ को संबोधित करेंगे वहीं उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू 25 दिसंबर को इसे संबोधित करेंगे।''

इस बार आईआईएसएफ-2020 का विषय ''आत्मनिर्भर भारत और विश्व कल्याण के लिए विज्ञान'' रखा गया है। इस महोत्सव का आयोजन वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर), राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से संबंधित विजनाना भारती, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय संयुक्त रूप से किया गया है। हर्षवर्धन ने बताया कि इस आयोजन के लिए अभी तक एक लाख लोगों का पंजीकरण हो चुका है। वर्ष 2015 में शुरू हुआ आईआईएसएफ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहन देने का एक उत्सव है। इसका उद्देश्य जनता को विज्ञान से जोड़ना, विज्ञान की खुशी को मनाना और यह दिखाना कि कैसे विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) जीवन में सुधार के लिए समाधान उपलब्ध करा सकते हैं।

अयोध्या को 'वैदिक सिटी' के तौर पर किया जाएगा विकसित, पर्यटन पर भी होगा ध्यान !

लखनऊ। (एजेंसी)।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण कार्य शुरू होने के बाद अब 'अयोध्या नगरी' के विकास की योजना बनाई जा रही है। इसके लिए टेंडर निकाला गया है। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को 'वैदिक सिटी' बनाने की घोषणा कर दी है। जिसका मतलब साफ है कि विश्व के समक्ष अयोध्या को आकर्षण का केंद्र बनाया जाना है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उत्तर प्रदेश सरकार 'वैदिक सिटी' योजना को ध्यान में रखते हुए 1200 एकड़ का नया मॉडल सिटी स्थापित करने का विचार कर रही है। अयोध्या को हरा भरा बनाने के साथ इसका विकास धार्मिक और पर्यटन पर आधारित किया जाएगा। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि राम मंदिर निर्माण के बाद यहां पर सैलानियों का आवागमन बढ़ जाएगा। ऐसे में विदेशी पर्यटक भी भारी संख्या में पहुंचेंगे।

योगी सरकार में मंत्री विजय कश्यप ने हाल ही में मुख्यमंत्री के निर्देश पर अयोध्या में विकास कार्यों की समीक्षा की थी एवं अधिकारियों को तीव्र गति से काम करने का आदेश दिया था। बता दें कि अयोध्या को धार्मिक नगरी के साथ-साथ पर्यटन नगरी के रूप में विकसित किया जाना है ताकि भगवान श्रीराम के दर्शन के साथ-साथ यहां पर लोग पर्यटन का भी लुत्फ उठा सकें।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि भगवान श्रीराम की नगरी 'अयोध्या' का विकास उसकी गरिमा के अनुकूल किया जाएगा। इसके लिए कई बड़ी योजनाएं लाई जा रही हैं।

वैदिक सिटी अयोध्या

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक अयोध्या को हिन्दुओं के पवित्र शहर के रूप में विकसित किया जाएगा। एक सलाहकार के चयन के लिए जारी टेंडर में कहा गया है कि कार्यान्वयन रणनीति और एकीकृत बुनियादी ढांचा तैयार किया जाएगा। विकास की योजना 30 वर्षों के लिए तैयार की जाएगी, जिसमें मुख्य शहर की विरासत को बरकरार रखने पर ध्यान दिया जाएगा। इसके साथ ही तीर्थयात्रियों के लिए रिवरफ्रंट और परिक्रमा मार्ग का विकास और मनोरंजक गतिविधियों के लिए सुविधाओं के अलावा बुनियादी ढांचे में वृद्धि की भी योजना है। वहीं, राम मंदिर निर्माण कार्य 2023 तक पूरा होने की संभावना जताई जा रही है।

उल्लेखनीय है कि अयोध्या डेवलपमेंट अथॉरिटी ने टेंडर जारी कर दिया है और 22 जनवरी तक टेंडर डाला जा सकता है। इसके लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं। जैसे कि कौन सी कंपनी टेंडर भर सकती है और उसे किन-किन नियमों का पालन कर पड़ेगा इत्यादि।

मेट्रो भूमि विवाद मामले में शरद पवार ने मुख्यमंत्री ठाकरे और फडणवीस से की बात, केंद्र के समक्ष उठा सकते हैं मुद्दा

मुंबई। (एजेंसी)।

राकांपा अध्यक्ष शरद पवार ने मुंबई में कांजुरमार्ग मेट्रो कार शेड भूमि विवाद को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस से बात की है और वह मुद्दे को सुलझाने के लिए इसे केंद्र के साथ उठा सकते हैं। यह जानकारी सूत्रों ने सोमवार को दी। ठाकरे ने रविवार को कहा कि वह केंद्र के साथ बातचीत के माध्यम से भूमि विवाद को सुलझाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह उनके लिए ''अहम् का मुद्दा'' नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, पवार ने रविवार को ठाकरे और फडणवीस से अलग-अलग बात की।

एक सूत्र ने कहा, ''पवार साहब ने मुख्यमंत्री और देवेंद्र फडणवीस से इस मुद्दे पर अलग-अलग बात की है।'' सूत्र ने कहा, ''नमक आयुक्त केंद्र सरकार के अधीन आते हैं। इसलिए, पवार मुद्दे के समाधान के लिए इसे केंद्र के साथ भी उठा सकते हैं।'' बम्बई उच्च न्यायालय ने एकीकृत मेट्रो कार शेड के निर्माण के लिए कांजुरमार्ग क्षेत्र में 102 एकड़ साल्ट पैन भूमि आवंटित करने के मुंबई उपनगरीय जिलाधिकारी के आदेश पर रोक लगा दी है। अदालत ने साथ ही अधिकारियों को उस भूमि पर कोई भी निर्माण कार्य करने से भी रोक दिया है। केंद्र और शिवसेना के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र सरकार के बीच मेट्रो कार शेड के निर्माण के लिए राज्य द्वारा निर्धारित भूमि के स्वामित्व को लेकर टकराव है, जो पहले उपनगरीय गोरेगांव स्थित एक हरित क्षेत्र आरे कॉलोनी में योजनाबद्ध था। फडणवीस की अगुवाई वाली राज्य की पिछली सरकार ने मुंबई मेट्रो लाइन 3 के लिए आरे कॉलोनी में कार शेड का निर्माण करने का फैसला किया था, हालांकि पर्यावरणविद और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने परियोजना के लिए बड़ी संख्या में पेड़ काटने का विरोध किया था। ठाकरे के नेतृत्व वाली वर्तमान राज्य सरकार ने कार शेड को आरे कॉलोनी से कांजुरमार्ग स्थानांतरित करने का हाल ही में निर्णय लिया।

पंजाब में अपनी जड़ें मजबूत करने की कोशिश में आम आदमी पार्टी, राघव चड्ढा को बनाया गया सह-प्रभारी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

किसान आंदोलन के सहारे आम आदमी पार्टी पंजाब में एक बार फिर से खुद को मजबूत करने में जुटी हुई है। 2017 में हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी ने ना सिर्फ खुद को स्थापित किया बल्कि वहां सरकार बनाने से चूक गई। हालांकि उस विधानसभा चुनाव के बाद से पार्टी में कई बिखराव देखने को मिले। अब किसान आंदोलन के सहारे आम आदमी पार्टी के प्रमुख और दिल्ली के मुखिया अरविंद केजरीवाल को लगता है कि एक बार फिर पंजाब में अपनी जड़ें मजबूत करने के लिए उनके पास अच्छा मौका है। इसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली में जमे किसानों की मदद उनकी पार्टी की तरफ से खूब की जा रही है। इतना ही नहीं, केजरीवाल के विधायक से लेकर मंत्री तक उन किसानों की सेवादारी में वहां मौजूद रह रहे हैं। किसानों के समर्थन में खुद केजरीवाल ने भी 1 दिन का अनशन किया था।

अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा को ध्यान में रखकर ही आम आदमी पार्टी की ओर से पंजाब में राघव चड्ढा को सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। राघव चड्ढा पार्टी के वरिष्ठ नेता होने के साथ-साथ युवा है और राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं। उन्हें पंजाब का प्रभारी बनाने की घोषणा स्वयं मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल द्वारा की गई। माना जाता है कि राघव चड्ढा पंजाब के जमीनी मुद्दों पर अपनी गहरी पकड़ रखते हैं। इसके अलावा समय-समय पर किसान के मसलों समेत कई महत्वपूर्ण मसलों पर वह अपनी पार्टी का पक्ष मजबूती से सामने रखते हैं। पार्टी का सह प्रभारी बनाए जाने पर चड्ढा ने अरविंद केजरीवाल का शुक्रिया करते हुए कहा कि अपने युवा साथी पर भरोसा करके जो केजरीवाल ने जिम्मेदारी दी है उसे मैं खून पसीना एक करके निभाऊंगा और पंजाब में पार्टी की इकाई को मजबूत करूंगा। मैं पंजाब को खुशहाल और हरा भरा बनाने के लिए पूरी मेहनत करूंगा।

आपको बता दें कि चड्ढा को यह जिम्मेदारी ऐसे समय में दी गई है जब मजबूती से उभरने के बावजूद पंजाब में पार्टी बिखराव की ओर है। कई नेता लगातार बगावत के सुर अपनाते रहते हैं तो कईयों ने बगावत कर दी है। इसके अलावा पंजाब में किसानों की दिक्कतें, महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं को नशे की लत और खराब शासन व्यवस्था को लेकर आम आदमी पार्टी वहां अपनी उम्मीदों को धार देने की कोशिश में है।

पर सवाल ये उठता है कि आखिर राघव चड्ढा ही क्यों? राघव चड्ढा को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का काफी करीबी माना जाता है। 2011 में अन्ना आंदोलन के दौरान चड्ढा की मुलाकात अरविंद केजरीवाल से हुई

थी। उन्होंने लोकपाल बिल ड्राफ्ट करने में अहम भूमिका निभाई थी। चड्ढा आम आदमी पार्टी के सबसे युवा प्रवक्ता होने के साथ-साथ विधायक हैं और पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य भी हैं। उन्होंने पार्टी के कोषाध्यक्ष का भी काम संभाला है। वह पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट है और दिल्ली के मॉडर्न स्कूल से उनकी पढ़ाई हुई है। उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स में भी पढ़ाई की है। दिल्ली का बजट तैयार करने में राघव चड्ढा का अहम योगदान होता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)